आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

RNI No. 62592/95
www.upobserver.in
email: u.p.observer@gmail.com

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

मोदीनगर (गाजियाबाद) | वर्ष : 32 अंक : 20 | सोमवार | 18 से 24 अगस्त, 2025 | पृष्ठः 8 | मूल्य : ₹3/=

महाकुंभ 2025 में जाने वाले यात्रियों को यदि... ...7

दुश्मन पर होगा पलटवार, पीएम मोदी ने किया 'मिशन सुदर्शन चक्र' का ऐलान

नई दिल्ली। आज भारत आजादी की 79वीं सालगिरह मना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लालकिले से कई अहम ऐलान किए हैं। कुल 103 मिनट के भाषण में उन्होंने किसानों, महिलाओं और युवाओं को लेकर कई अहम बातें कहीं। उन्होंने आतंकियों को साफ संदेश दिया है कि अगर दुश्मनों ने फिर कोई हरकत की तो सेना चुप नहीं रहेगी। हम मुंहतोड़ जवाब देंगे। उन्होंने लालकिले से प्रधानमंत्री विकसित भारत योजना को शुरू करने का भी ऐलान कर दिया। इसके अलावा पीएम मोदी ने मिशन सुदर्शन चक्र लॉन्च करने का ऐलान किया है। यह ऐसा मौका होता है जब प्रधानमंत्री देश के विकास और सरकार के कामों का हिसाब-किताब देने के साथ ही आगे की रूपरेखा को भी देश के सामने रखते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तकनीक का विस्तार हआ है। ऐसे में राष्ट्र की सुरक्षा के लिए महारथ हासिल करने की जरूरत है। 2025 तक महत्वपूर्ण जगहों जैसे कि सामरिक और सिविलियन क्षेत्र, अस्पताल, रेलवे, आस्था के केंद्रों को तकनीक से सुरक्षा कवच दिया जाएगा। देश का हर नागरिक सुरक्षा महसूस करे। उन्होंने कहा, अगले दस साल में भगवान श्रीकृष्ण से प्रेरणा लेकर सुरर्शन चक्र का मार्ग चना है। अब देश मिशन सुदर्शन चक्र लॉन्च करेगा। यह चक्र एक पावर फुल वेपन सिस्टम होगा जो कि दुश्मन के हमले को नाकाम कर देगा। यह मिशन आधुनिक सिस्टम पर आधारित होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं देश को एक चिंता और चुनौती के लिए आगाह करना चाहता हूं सोची समझी साजिश से देश की डेमोग्राफी को बदला जा रहा है। नए संकट के बीज बोए जा रहे हैं। यह बर्दाश्त नहीं है। घुसपैठिए आदिवासियों की जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। जब डेमोग्राफिक परिवर्तन होता है तो देश की सुरक्षा के लिए संकट पैदा होता है। हम देश में ऐसी हरकतों को स्वीकार नहीं करेंगे। इसलिए हमने हाई पावर डेमोग्राफी मिशन की शुरूआत की है। ये मिशन संकट को निपटाने में काम करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि समृद्धि का रास्ता सुरक्षा से होकर गुजरता है। हमने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए समर्पण भाव से काम किया है। हम बदलाव लाने में सफल हुए हैं। देश का एक बहुत बड़ा हिस्सा नक्सलवाद के चपेट में था। सबसे ज्यादा नुकसान हमारे आदिवासी परिवारों का हुआ। हमने फौलादी हाथ से काम किया। कभी 125 से ज्यादा जिलों में नक्सलवाद अपनी जड़े जमा चुका था। आज9 ये सिर्फ 20 जिलों में सिमट गया है। हमने जनजातीय समाज की सेवा की है। एक जमाना था जब बस्तर को याद करते ही नक्सलवाद याद आता था। आज उसी बस्तर से नौजवान ओलंपिक में जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार लालकिले से आरएसएस की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि आरएसएस

देश और समाज के लिए समर्पित है। सौ साल पहले एक संगठन का जन्म हुआ था - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) - इसने राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य की दिशा में काम किया। मैं पिछले 100 वर्षों से राष्ट्र सेवा में आरएसएस कार्यकताओं के समर्पण को सलाम करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मोटापा हमारे देश के लिए बड़ी चिंता बन गया है। आने वाले समय में हर तीसरा व्यक्ति मोटापे का शिकार होगा। इससे हमें बचना है। हमें तय करना है कि खाने का तेल 10 फीसदी कम ही लाना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि समद्ध भारत हमारा मंत्र होना चाहिए। हमारी आजादी से पहले की पीढियों ने अपने को भारत की स्वतंत्रता के लिए खपा दिया था। जरूरत है कि आज की पीढ़ी समृद्ध-भारत के लिए खप जाए। न्होंने युवाओं और राजनीति दलों से आह्वान करते हुए कहा "आइये हम मिलकर वोकल फोर लोकल को हर नागरिक के जीवन का मंत्र बनायें। इससे देखते ही देखते हम दुनिया को बदल देंगे।" उन्होंने छोटे दुकानदारों से अपनी दुकानों पर तख्ती लगाने का आग्रह किया कि 'यहां स्वदेशी माल बिकता है'।

प्रधानमंत्री ने कहा कि लाइफ में सरकार होनी चाहिए। इसलिए जमीन से जुड़ी योजनाएं होनी चाहिए। जमीन से जुड़ी योजनाएं जमीन पर उतरती हैं। इससे लोगों का जीवन बदल रहा है। एक समय था जब नागरिक अपने अधिकार के लिए दर-दर भटकते थे। आज सरकार आपके दरवाजे पर आती है। गरीबी हटाओ के नारे सुनकर देश थक गया था। लेकिन अब हमारी योजनाएं गरीबों के घर तक पहुंचती हैं। देश के 25 करोड़ गरीबों ने गरीबी को परास्त कर दिया है। एक न्यू मिडिल क्लास तैयार हुआ है।

देश के नौजवानों आज मैं आपके लिए खुशखबरी लेकर आया हूं। आज 15 अगस्त है। आज से ही मेरे देश के युवाओं के लिए एक लाख करोड़ रुपये की योजना लागू कर रहे हैं। आज से प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना शुरू हो रही है। यह आपके लिए बड़ी खुशखबरी है। इस योजना के तहत निजी क्षेत्र में पहली नौकरी पाने वाले नौजवान को 15 हजार रुपये सरकार की तरफ से दिए जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस दिवाली बहुत बड़ा तोहफा मिलेगा। हमने हाई लेवल कमेटी बनाई थी। हम नेक्ट्स जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म लेकर आ रहे हैं। यह दिवाली में आपका तोहफा बन जाएगा। सामान्य मानवी के टैक्स भारी मात्रा में कम कर दिए जाएंगे। इससे रोजमर्रा की चीजें सस्ती हो जाएंगी और अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लालकिले से अमेरिका को भी सीधा संदेश दिया। उन्होंने कहा, वैश्विक परिस्थितियों में जब आर्थिक स्वार्थ बढ़ रहा है तो जरूरत है कि हम अपनी लकीर को लंबा करें। मैं अनुभव से कह रहा है कि अगर यह रास्ता हमने चुन लिया तो कोई स्वार्थ हमें अपने चंगुल में नहीं फंसा सकता है।

पीएम मोदी ने कहा. मैं युवाओं का आह्वान करता हूं कि खुद का प्लैटफॉर्म तैयार करें। हम आत्मनिर्भर बनें। हम फर्टिलाइजर पर दूसरे पर निर्भर हैं। आइए हम फर्टिलाइजर का भंडार भर दें ताकि दूसरों पर निर्भरता खत्म हो जाए। ओ वाले समय में ईवी बैट्री का युग आ रहा है। हम इसे भी बनाएँगे। हमें युवाओं पर भरोसा है। बीते 11 साल में उद्यमशीलता को बड़ी ताकत मिली है। आज लाखों स्टार्टअप देश को शक्ति दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्पेस के क्षेत्र में भी हम आत्मनिर्भर बन रहे हैं। हमारा देश गगनयान की तैयारी कर रहा है। स्पेस सेक्टर पर हम 300 स्टार्टअप्स पर काम कर रहे हैं। यह हमारे देश के नौजवानों की ताकत है। आज मैं लालकिले की प्राचीर से वैज्ञानिकों, प्रोफेशनल और सरकार के हर विभाग का आह्वान करते हैं। हमारा मेड इन इंडिया जेट इंजन भी होना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे देश ने पांच साल पहले ही 50 पर्सेंट क्लीन एनर्जी का लक्ष्य हासिल कर लिया था। हमने लक्ष्य 2030 तक का रखा था लेकिन यह 2025 में ही पूरा हो गया। ईंधन लाने में करोड़ रुपये खर्च ना करने पड़ते तो विकास को और गति मिल जाती। देश को विकसित करने के लिए अब हम समुद्र मंथन की ओर जा रहे हैं। महारे समुद्र मंथन का मतलब है कि हम गैस और तेल के भंडार खोजने के लिए मिशन मोड में काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज से 50-60 साल पहले सेमीकंडक्टर के विचार की भ्रूण हत्या कर दी गई थी। अब हमने मिशन मोड में काम शुरू किया है। कई नए यूनिट्स स्थापित किए जा रहे हैं। इसी साल केअँत तक मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप्स बाजार में आ जाएगी। ऊर्जा के क्षेत्र में हम एनर्जी के लिए बहुत सारे देशों पर निर्भर हैं। हमें लाखों करोड़ों रुपये खर्च करके ईंधन लाना पड़ता है। हमें ईंधन के लिए भी आत्मनिर्भर बनना होगा। देश में सोलर एनहर्जी 30 गुना पढ़ गई है। क्लीन एनर्जी की दिशा में हम तेजी से काम कर रहे हैं। भारत मिशन ग्रीन हाइड्रोजन पर हजारों करोड़ रुपये निवेश कर रहा है। भारत न्यूक्लियर एनर्जी पर बड़े फैसले ले रहा है। न्यूक्लियर एनर्जी में कई नए रिएक्टर पर काम किया जा रहा है। 2047 तक हम परमाणु ऊर्जा क्षमता को 10 गुना से ज्यादा आगे बढ़ाने के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब देश आजाद हुआ था तब पेट भरने की भी चुनौती थी लेकिन आज किसानों ने हमारे भंडार भर दिए। अनाज के संबंध में देश आत्मनिर्भर हो गया है। यह विकसित भारत का आधार भी है। जो देश दूसरों पर निर्भर रहता है उसकी आजादी पर भी सवाल उठते हैं। दुर्भाग्य तब हो जाता है जब इसकी आदत लग जाती है। इसलिए प्रतिपल जागरूक रहने की जरूरत है। आत्मनिर्भरता कम होती है तो सामर्थ्य भी कम हो जाता है। ऑपरेशन सिंदूर में हमने देखा कि मेड इन इंडिया का कमाल क्या होता है। दुश्मनों को हमारे हथियारों का अंदाजा ही नहीं लग पाया। सोचिए अगर हम आत्मनिर्भर ना हो पाते तो क्या ऑपरेशन सिंदूर इतनी तेजी से कर पाते।

विधानसभा भवन पर सीएम योगी ने फहराया तिरंगा, परेड की ली सलामी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। लखनऊ में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उन्होंने झंडा फहराएंया, इस दौरान वह परेड की सलामी ली, यहीं से वह थोड़ी देर में प्रदेशवासियों को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के साथ दोनों उपमुख्यमंत्री व मेयर भी नजर आए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन की शुरूआत प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाओं के साथ की उन्होंने कहा कि आज पूरा देश अपनी स्वतंत्रता पर 78 वर्ष पूरे कर रहा है, इस अवसर पर सबको बधाई देता हूं। देश की स्वतंत्रता एक पैगाम है। अभी हाल ही में देश में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में उनके मार्गदर्शन में ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत के समर्थ और सभ्यता का क्रियान्वयन का मैं उन सभी वीर को सैल्यूट करता हूं, इतना होने के बाद भी दुश्मनी को सर काट दिया। उन्होंने कहा कि फौजियों के वजह से ही हम चैन की नींद सो पाते हैं और इन्हीं की वजह से एक सूत्र भारत का निर्माण आज हो रहा है। संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि अपने पिछले 78 वर्षों की यात्रा को देखा है अनुभव किया हैस देश के राष्ट्रीय पर्व के माध्यम से सुना है अनुभव किया है। याद करिए स्वतंत्रता का मतलब हर भारतवासी के लिए हर देशवासी के लिए महापर्व है। सीएम योगी ने कहा कि अगर हर नागरिक अपने कर्तव्य का निर्वहन करें तो फिर प्रधानमंत्री जी के वह संकल्प को पूरा किया जा सकता है, आज भारत के पास समर्थ है भारत के पास सत्य है प्रादेशिक मॉडल पर मेकिंग इंडिया केस मॉडल को माध्यम से दुश्मनों ने महसूस किया है दुश्मनों ने महसूस किया है।

उन्होंने कहा कि आज भारत के पास समर्थ है भारत के पास सत्य है प्रादेशिक मॉडल पर मेकिंग इंडिया केस मॉडल को माध्यम से दुश्मनों ने महसूस किया है दुश्मनों ने महसूस किया है, याद करिए 2017 से पहले हमारे पास सब कुछ था परंपरागत सामानों का, लेकिन आज से 8 वर्ष पहले स्थिति क्या थी जो लोग जुड़े थे वह पलायन कर गए उनमें कोई विश्वास नहीं था।

आज उत्तर प्रदेश का वन स्टेट वन प्रोडक्ट पूरे देश में धूम मचा रहा है। इधर लखनऊ स्थित पुलिस मुख्यालय में डीजीपी राजीव कृष्ण ने ध्वजारोहरण करते हुए प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यूपी पुलिस की ओर से उत्तर प्रदेश के सभी नागरिकों और पुलिस परिवार के सदस्यों को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूरे देश में यूपी के के अधिकारियों को सर्वाधिक संख्या में सम्मानित किया हर्ष का विषय है। धर्मांतरण के खिलाफ पुलिस के अभियान पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि धर्मांतरण एक अपराध की तरह चलने वाली प्रक्रिया है, यह कानूनन अपराध है जिसपर साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई हो रही है। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने स्वतंत्रता दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए सभी से ह्यहर घर तिरंगाह्ल अभियान में पूरे उत्साह के साथ शामिल होने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस, देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों के संघर्ष और बलिदान का स्मरण करने का अवसर है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने भी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेशवासियों को बधाई दी है।

उत्साह और भव्यता के साथ नगर निगम ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

महापौर तथा नगर आयुक्त ने शहरवासियों से की पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता की अपील

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। गाजियाबाद में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अनेकों कार्यक्रम आयोजित हुए इसी क्रम में गाजियाबाद नगर निगम मुख्यालय पर भी भव्यता से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया महापौर सुनीता दयाल तथा नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा पार्षदों तथा निगम अधिकारियों के साथ मिलकर स्वतंत्रता दिवस मनाया महापौर और नगर आयुक्त द्वारा ध्वजारोहण किया गया सभी ने राष्ट्रीय गान के उपरांत देशभक्ति के नारे लगाए गए।

महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा सभी उपस्थित जनों को 79वे स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी गई, देश हित में पर्यावरण संरक्षण,जल संरक्षण, स्वच्छता तथा स्वदेशी अपने हेतु शहर वासियों को जागरूक किया गया' एम बी गर्ल्स गाजियाबाद नगर निगम के स्कूल चंद्रपुरी में राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए स्वतंत्रता दिवस मनाया गया जिसमें प्रधानाचार्य सहित अध्यापिकाओं व छात्रों द्वारा भी भव्यता से स्वतंत्रता दिवस की तैयारी की गई, घर में रखा हुआ वेस्ट इस्तेमाल करते हुए उपयोगी वस्तुएं बनाई गई जिसकी प्रदर्शनी लगाई गई जिसको महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा सरहाया गया, छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया जिसकी प्रशंसा भी की गई, महापौर तथा नगर आयुक्त द्वारा सभी छात्राओं को मोटिवेट करते हुए अपने देश अपने शहर के लिए पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने हेतु आवाहन किया। कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार सुनील शर्मा द्वारा मनन धाम शहीद स्थल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित होकर ध्वजारोहण किया गया प्रशासनिक तथा निगम अधिकारियों ने व्यवस्थाओं को संभाला, ध्वजारोहण के उपरांत शाहिदो को नमन करते हुए श्रद्धांजलि दी गई, तथा शहीदों के परिवार जनों का सम्मान किया गया कार्यक्रम की श्रृंखला को आगे बढ़ते हुए पौधा रोपण भी किया गया विशेष रूप से सिविल डिफेंस भी सहयोग में रहा, जिलाधिकारी,नगर आयुक्त, मुख्य विकास अधिकारी व अन्य प्रशासनिक व निगम अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम को सफल बनाया। नगर निगम द्वारा स्वतंत्रता दिवस को उत्साह पूर्वक मनाते हुए शहर में शाहिद स्थलों को भी सजाया गया है, तथा हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता का संदेश जन-जन को दिया है, स्वतंत्रता दिवस के शुभकामनाएं के साथ शहर को पर्यावरण संरक्षण तथा स्वच्छता के लिए निगम द्वारा जागरूक किया गया जो की सराहनीय है।

● एम बी गर्ल्स नगर निगम के स्कूल में आयोजित देशभक्ति के सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा वेस्ट से बनी सामानों की प्रदर्शनी पर छात्राओं को किया गया मोटिवेट

भाजपाइयों ने नेहरू नगर कार्यालय पर 79वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाज़ियाबाद। नेहरू नगर स्थित भाजपा कार्यालय पर 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित इस गरिमामयी समारोह में समस्त भाजपा परिवार के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, सांसद अतुल गर्ग अन्य वरिष्ठ भाजपाइयों द्वारा ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। ध्वजारोहण के पश्चात सभी ने एक स्वर में 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

इस दौरान गाज़ियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने अपने संबोधन में कहा हमारे लिए स्वतंत्रता दिवस प्रेरणा का स्रोत है। आज जरूरत है कि हम मिलकर 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करें और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश को नई ऊँचाइयों तक ले जाएं।

इस अवसर पर मयंक गोयल ने कहा स्वतंत्रता दिवस केवल तिरंगा फहराने का अवसर नहीं, बल्कि यह हमें अपने कर्तव्यों, देश के विकास और राष्ट्र की एकता-अखंडता के प्रति संकल्पित होने का दिन है। हमें आजादी के उन बलिदानियों को सदैव स्मरण रखना चाहिए, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें स्वतंत्र भारत का उपहार दिया।

पूर्व महापौर आशु वर्मा ने कहा आजादी हमें सहज नहीं मिली, इसके पीछे लाखों वीरों का बलिदान है। यह दिन हमें एकजुट होकर देश की सेवा करने की प्रेरणा देता है। पूर्व महापौर आशा शर्मा ने कहा स्वतंत्रता दिवस का पर्व हमें अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक और राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता जगदीश साधना,पूर्व अध्यक्ष सरदार एस. पी. सिंह, पूर्व अध्यक्ष विजय मोहन पूर्व अध्यक्ष अशोक मोंगा, पूर्व अध्यक्ष अजय शर्मा, डॉ. वीरेश्वर त्यागी, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी, उपाध्यक्ष बॉबी त्यागी, महामंत्री गोपाल अग्रवाल, सुशील गौतम एवं रनीता सिंह, अनीता शर्मा, कामेश्वर त्यागी, संजीव झा, गौरव चोपड़ा, पार्षद अमित त्यागी, अमित रंजन,अश्वनी शर्मा, नीरज त्यागी, विनीत शर्मा, गजेंद्र चौहान, अमरीश त्यागी, सुधीर त्यागी, बलराम रावल, भूपेश शर्मा, राहुल गोयल, गीता चौधरी, मीना गांधी, सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, पार्षदगण, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन देशभक्ति गीतों और मिठाई वितरण के साथ हुआ।

गाज़ियाबाद लाइन पार क्षेत्र में 100 मीटर लंबे भव्य तिरंगे के साथ ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाज़ियाबाद। 79वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गाज़ियाबाद लाइन पार क्षेत्र में देशभक्ति और एकता का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सिद्धार्थ विहार से विजय नगर स्थित भीमराव अंबेडकर पार्क तक एक भव्य एवं ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का मुख्य आकर्षण 100 मीटर लंबा तिरंगा रहा, जिसे सैकड़ों देशभक्त नागरिकों ने कंधों पर थामकर गर्व और उल्लास के साथ आगे बढ़ाया।

सुबह से ही सिद्धार्थ विहार, प्रताप विहार और विजय नगर क्षेत्र में देशभक्ति का वातावरण व्याप्त था। हाथों में तिरंगे, चेहरों पर तिरंगे के रंग और दिलों में भारत माता के प्रति असीम प्रेम—हर व्यक्ति के चेहरे पर गर्व और खुशी साफ झलक रही थी। यात्रा में शामिल लोग 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' और 'जय हिंद' के नारों से पूरे मार्ग को गूंजा रहे थे।

यात्रा में सिद्धार्थ विहार, प्रताप विहार और विजय नगर के हजारों नागरिक—महिलाएँ, पुरुष, युवा, बच्चे और बुजुर्ग—सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह यात्रा न केवल देशभक्ति का प्रतीक बनी बल्कि सामूहिक एकता का संदेश भी लेकर आगे बढ़ी।

कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाने के लिए गाज़ियाबाद सांसद अतुल गर्ग, शहर विधायक संजीव शर्मा, महानगर अध्यक्ष श्री मयंक गोयल, क्षेत्र के सभी पार्षदगण, विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष एवं शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने इस यात्रा में भाग लेकर जनता का उत्साह दोगुना कर दिया।

कार्यक्रम के आयोजक राजेश गुप्ता, जो कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय में ओबीसी मोर्चा के नीति एवं शोध विभाग में राष्ट्रीय सह-प्रभारी हैं, ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य सभी धर्म, जाति-पांति, अमीर-गरीब और किसी भी प्रकार के भेदभाव से ऊपर उठकर हर नागरिक को एक धागे में पिरोना था। यह केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि एक संकल्प था—कि हम सब एक हैं और भारत की एकता और अखंडता के लिए सदैव खड़े रहेंगे।' उन्होंने आगे कहा कि यह यात्रा क्षेत्र के सभी निवासियों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बनी। इस प्रकार की विशाल तिरंगा यात्रा इस क्षेत्र में पहली बार आयोजित हुई, और हर व्यक्ति ने इसे जीवन के अविस्मरणीय क्षण के रूप में अनुभव किया। सभी प्रतिभागियों के चेहरों पर गर्व, आँखों में चमक और दिलों में देशप्रेम की ज्वाला स्पष्ट झलक रही थी। यह भव्य आयोजन न केवल स्वतंत्रता दिवस की शोभा बढ़ा गया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणास्त्रोत बन गया।

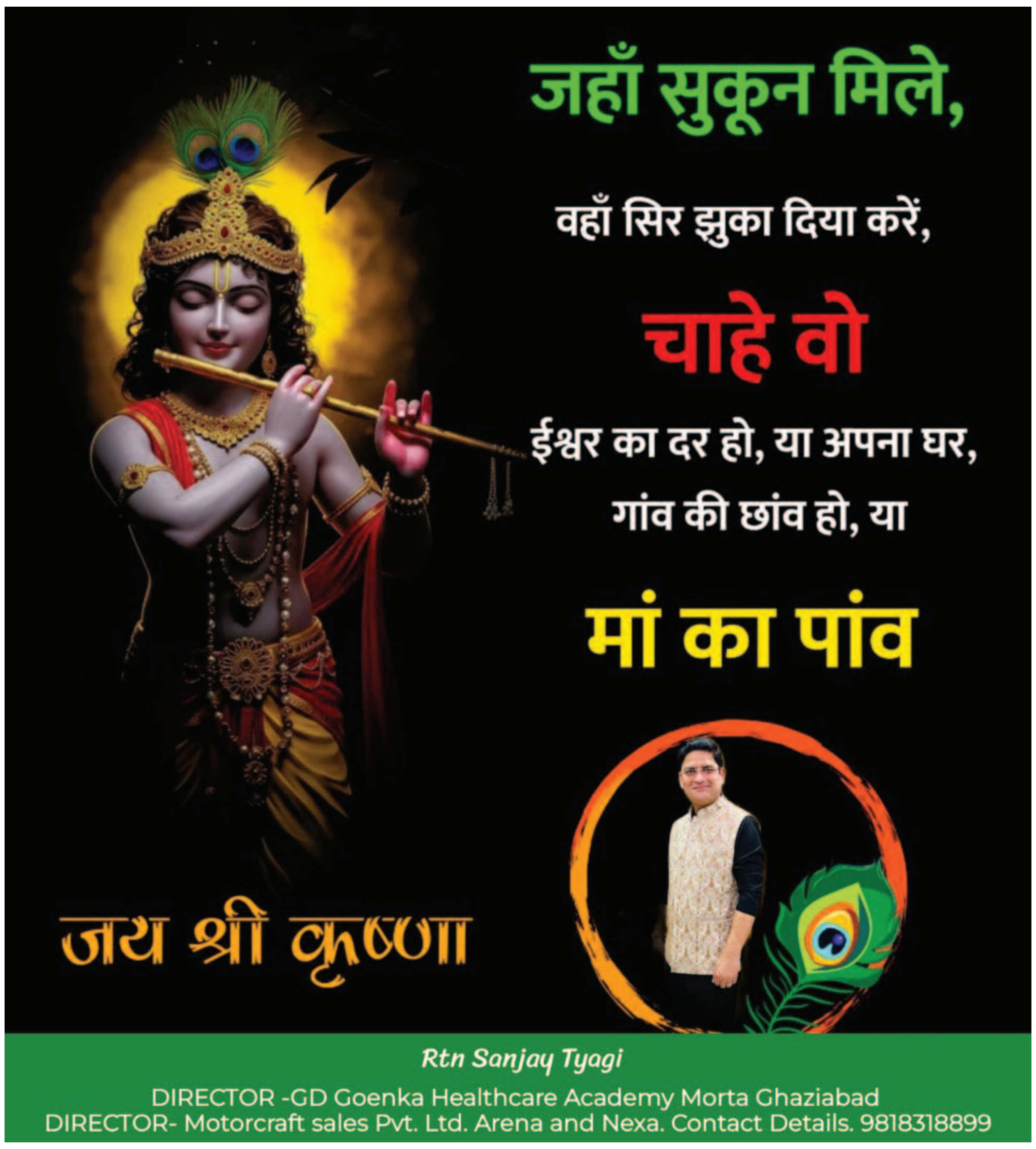

18 से 24 अगस्त, 2025

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

साप्ताहिक

कृष्णं वन्दे जगद्गुरुम्!

सम्पूर्ण जगत के आधार लीलाधर, योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण जी के पावन अवतरण दिवस 'श्रीकृष्ण जन्माष्टमी' की सभी को हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएं!

मुरलीधर सभी के जीवन में प्रेम, करुणा एवं भक्ति का संचार कर चराचर जगत का कल्याण करें, यही प्रार्थना है।

जय श्रीकृष्ण!

जिला प्रशासन, नगर निगम व सिविल डिफेंस ने मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने किया ध्वजारोहण, शहीद को किया याद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहीद स्थल, मनन धाम के सामने, मेरठ रोड़ गाजियाबाद में जिला प्रशासन, नगर निगम एवं सिविल डिफेंस द्वारा ध्वजारोहण, शहीदों को नमन व शहीद सैनिकों को याद करते हुए उनके परिवारजनों का सम्मान सहित पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा द्वारा ध्वजारोहण कर, राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। कैबिनेट मंत्री द्वारा शहीद स्तम्भ व स्मारकों पर पुष्प चक्र व पुष्पांजलि अर्पित करते हुए शहीदों को याद किया। इस अवसर पर सभी अधिकारीगण सहित कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्यों द्वारा शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीदों को याद किया। कैबिनेट मंत्री द्वारा जनपद के शहीद सैनिकों के परिवारजनों को शॉल ओढ़ाकर व उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाऐं प्रेषित की। उन्होने कहा कि भारत में देश प्रेमियों की कमी नहीं हैं, हर वर्ग, हर उम्र के लोग देश प्रेम की भावना में ओत–प्रोत होते हुए कहते हैं कि यदि हम उस समय होते तो देश की आजादी की लड़ाई में अपनी अहम भूमिका निभाते। मै मंच के माध्यम से कहना चाहूंगा की आज भी देश में एक युद्ध लड़ा जा रहा हैं और उस युद्ध से आप ही देश को बचाते हुए विकसित देश बनोओगे। वह युद्ध है बुराई पर अच्छाई का, अर्थ व्यवस्था को शिखर तक लेने जाने का, देश को स्वच्छ व सुन्दर बनाने का, देश को शत–प्रतिशत शिक्षित बनाने का, जो हम सभी के अथक प्रयास से ही सम्भव है। यदि आज हमारे देश के बच्चे–युवा फोन व नशे में अपने आप को बरबाद करेंगे तो कैसे सक्षम, सुदृढ़ व विकसित भारत बनेगा। हम स्वतंत्रता दिवस सहित अन्य देशभक्ति के कार्यक्रम मनाते हैं, वह इसलिए कि हम जान सके कि हमें कितनी मुश्किलों के बाद आजादी मिली है। भविष्य में ऐसा दोहराया ना जाएं इसके लिए हमें हर समय सजग व शक्तिशाली बने रहने हैं। इसके लिए हम सभी को अपने आपको स्वस्थ्य व मजबूत बनाना है। हम सभी को स्वदेशी उत्पादों को अपनाना है, अपने स्तर से अपने क्षेत्र में स्वच्छता, शिक्षा और अच्छाई का उजयारा फैलाना है, जिससे सक्षम, स्वच्छ व विकसित भारत बन सके।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाऐं प्रेषित की। उन्होने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर वर्ष लोगों में नई ऊर्जा का संचार होता है। हमें इस नई ऊर्जा के संचार को यूं ही व्यर्थ नहीं होने देने है, इसे हमें देशहित, जनहित व पर्यावरण हित में लगाना है। इसके लिए हमें प्रण लेना है कि हम पर्यावरण का विशेष ध्यान रखते हुए देश के विकास हेतु स्वदेशी उत्पाद अपनायेंगे। हमें अपने आप–पास का वातावरण स्वच्छ व सुन्दर बनाना हैं। हमें अपने से छोटों को अच्छी सीख देनी है और बड़ों, महिलाओं, गुरूजनों सहित सभी का सम्मान करना है, क्योंकि जब हरेक नागरिक सभ्य, शिक्षित एवं सशक्त होगा तभी विकसित देश बनेगा। गौरव शर्मा गायक द्वारा देश भक्ति गीत की सुन्दर प्रस्तुति दी गयी, कैबिनेट मंत्री द्वारा उन्हें प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री अनिल अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर आयुक्त, मुख्य विकास अधिकारी, अपर नगर आयुक्त, एडीएम सिटी, एसडीएम सदर, डीआईओ, सिविल डिफेंस, शहीदों के परिजन सहित बड़ी संख्या में अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने किया कलेक्ट्रेट पर ध्वजारोहण

विकसित देश बनाने हेतु स्वदेशी उत्पादों का करें उपयोग: जिलाधिकारी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। स्वतंत्रता दिवस के सुअवसर पर जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण किया गया, उपस्थित सभी गणमान्य द्वारा राष्ट्रगान गाया गया, तदोपरांत समस्त गणमान्य ने महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रति भाग किया।

कार्यक्रम के दौरान केडीबी स्कूल के टीचर सहित विद्यार्थियों द्वारा देश भक्ति पर आधारित दो गीतों की प्रस्तुति दी गयी। जिलाधिकारी द्वारा सभी गायन कताओं को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। 2025 में जनपद गाजियाबाद के राष्ट्रपति पदक विजेता सुजीत कुमार को जिलाधिकारी द्वारा शॉल ओढ़ाकर व पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

- प्रत्येक भारतवासी का मन हो देश प्रेम, देश भक्ति व देश सेवा की भावना से ओत–प्रोत : जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़

जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन में सभी को 79वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाऐं प्रेषित करते हुए कहा कि प्रत्येक भारतवासी का मन देश प्रेम, देश भक्ति व देश सेवा की भावना ओत–प्रोत होना चाहिए, जिससे भूत काल में घटित घटना वर्तमान या भविष्य में ना होने पाएं। हम सभी को संकल्पबद्ध होना है कि हम देश हित व देश के विकास में अहम भूमिका निभाने के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे, साथ ही किसी ना किसी रूप में सहयोग प्रदान करते रहेंगे। स्वतंत्रता दिवस के बाद से हमारा देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है और भविष्य में हमारा देश विकासशील प्रदेश से विकसित देश बन जायेगा। उसके लिए जरूरी है कि हम स्वदेशी उत्पादों का शत–प्रतिशत उपयोग करें। जितना हम स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करेंगे उतना ही हमारा देश आत्मनिर्भर हो पायेंगा।

स्वच्छ, सुन्दर और विकसित देश के लिए हमें अपने तन–मन को भी स्वच्छ, सुन्दर और विकसित बनाना होगा। हमें शपथ लेनी है कि हम जनहित, देशहित, प्रकृति हित में कार्य करते रहेंगे। विकास की इस तेज रफ्तार के साथ हमें प्रकृति का भी विशेष ध्यान रखना है। हमें पर्यावरण, जल संरक्षण करना हैं। आज हम जब जल संचय व पौधों का संरक्षण करेंगे तो भविष्य में यही जल व वृक्ष हमारे जीवन का संरक्षण करने में अपनी महत्वूपर्ण भूमिका निभाएंगे।

कार्यक्रम को मुख्य रूप से एडीएम ई रणविजय सिंह, एडीएम एल/ए विवेक मिश्र, एडीएम सिटी विकास कश्यप, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय, आईएएस अयान जैन, आबकारी अधिकारी संजय सिंह, सिविल डिफेंस चीफ वार्डन ललित जायसवाल द्वारा सम्बोधित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एडीएम जे0 मती अंजुम बी0, सीटीओ मती पुष्पांजलि, जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह सहित कलेक्ट्रेट के सभी जिला स्तरीय अधिकारी, स्टाफ सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। प्रमोद द्वारा कार्यक्रम का बहुत सुन्दर संचालन किया गया। कार्यक्रम में अंत में सभी को मिष्ठान वितरित किया गया।

यू.पी.ऑब्ज़र्वर

सम्पादकीय

खुद ही बनो ताकत, चुनौतियों को बनाओ सीढ़ी

इस स्वतंत्रता दिवस पर देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह देश के सामने मौजूदा चुनौतियों से निपटने या उनका सामना करने को लेकर कुछ लक्षित बातें कीं, उनमें संदेश बिल्कुल साफ हैं। इस बार के अपने भाषण में उन्होंने भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करने के बजाय मुख्य रूप से उन मुद्दों पर जोर दिया, जो वर्तमान समय में देश को प्रभावित कर रहे हैं या चुनौतियों के रूप में खड़े हैं। इनमें एक ओर आर्थिक मोर्चे पर अमेरिका की तरफ से घोषित शुल्क नीति के भारत पर पड़ने वाले प्रभाव और उससे पार पाने के लिए जरूरी विकल्प खड़े करने की अपनी राह चुनने की बात थी तो दूसरी ओर पाकिस्तान के संरक्षण में पलते आतंकवाद का सामना करते हुए 'आपरेशन सिंदूर' के जरिए दुश्मन देशों को ठोस जवाब देने के उदाहरण सहित परोक्ष रूप से एक चेतावनी भी कि अगर किसी देश ने भारत के खिलाफ नाहक दुस्साहस किया तो उसका मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री ने 'सुदर्शन चक्र' नामक राष्ट्रीय सुरक्षा कवच तैयार करके आने वाले दस वर्षों में देश की सुरक्षा को विस्तार देने, सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण करने का भरोसा जताया। जाहिर है, पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद प्रतिक्रिया में भारत ने जिस तरह 'आपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान स्थित ठिकानों से अपनी गतिविधियां चलाने वाले आतंकवादी संगठनों को सबक सिखाया, उस परिप्रेक्ष्य में आने वाले वक्त में भारत के सामने जैसी चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं, प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में उसके लिए मोर्चेबंदी को लेकर एक संकेत दिया। इसी तरह, अमेरिका ने शुल्क लगाने की नीति के जरिए दुनिया के सामने जैसी व्यापार युद्ध की स्थिति खड़ी की है और इसका भारत के ऊपर जो प्रभाव पड़ेगा, उसके मद्देनजर बिना किसी देश का नाम लिए उन्होंने व्यापार से लेकर रक्षा उत्पादन तक में आत्मनिर्भरता को मुख्य ताकत बनाने की बात कही। उनकी इस बात में छिपे संदेश को समझा जा सकता है कि हम स्वदेशी को मजबूरी में नहीं, मजबूती के साथ उपयोग करेंगे और जरूरत पड़ी तो दूसरों को भी मजबूर करने के लिए उपयोग करेंगे... यह हमारी ताकत होनी चाहिए। यह सच भी है कि अमेरिका के साथ भारत का आर्थिक या व्यापारिक संबंध परस्पर सहयोग पर आधारित है और एकतरफा शुल्क लगाने जैसा कोई भी नीतिगत फैसला अमेरिका को भी बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। दूसरी ओर, उनके संबोधन में आंतरिक मोर्चे पर रोजगार से लेकर किसानों और युवाओं की समस्या तथा उन्हें संरक्षण देने का संकल्प भी दिखा। मसलन, उनकी घोषणाएं जमीन पर उतरीं, तो 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' के तहत पहली नौकरी पाने वाले युवाओं को पंद्रह हजार रुपए देने और आर्थिक सुधारों के तहत कई तरह के करों में कमी करने की पहल हो सकती है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने जिस तरह किसानों, मछुआरों, पशुपालकों के हितों से कोई समझौता नहीं करने का एलान किया, सिंधु जल समझौते को एकतरफा और अन्यायपूर्ण बताया, उससे साफ है कि अब वे कृषि क्षेत्र में भी नई जमीन तैयार करने और उसे मजबूत करने की बात कर रहे हैं। इसके साथ-साथ अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने से लेकर लड़ाकू विमानों के इंजन देश में ही बनाने जैसी घोषणाओं को भी आत्मनिर्भरता का संदेश माना जा रहा है। विदेश नीति हो या फिर आंतरिक मोर्चे को मजबूत करना, इस बात का आशय भी महत्त्वपूर्ण है कि अगर कोई दूसरों पर बहुत अधिक निर्भर हो जाता है, तो स्वतंत्रता का प्रश्न धुंधला पड़ने लगता है।

धराली से किश्तवाड़ तक तबाही

प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखा रही है। अब मनुष्य को अगर संभलने का मौका नहीं मिल रहा है, तो इसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार है। धराली में बादल फटने से हुई तबाही से लोग अभी उबरे भी नहीं थे कि जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में ठीक वैसा ही हादसा हुआ। बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। अचानक आए सैलाब में साठ से ज्यादा लोगों की जान चली गई, सैकड़ों लोग लापता हो गए। नियंत्रण रेखा के पास चोशिती गांव में हुआ यह हादसा एक बड़ा सबक है। यह गांव पड्डर घाटी में है और यहां अठारह सौ से लेकर करीब चार हजार मीटर ऊंचे पहाड़ हैं। जब भी यहां बारिश होती है तो पानी तीव्र गति से नीचे आता है। जिला प्रशासन ने यह तैयारी क्यों नहीं कि अगर कभी बादल फटने की नौबत आई, तो गांव से ऊपर मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को कैसे बचाया जाएगा? गौरतलब है कि साढ़े नौ हजार फुट ऊंचाई पर स्थित मचैल माता मंदिर जाने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग आते हैं। सवाल है कि स्थानीय प्रशासन ने यहां लंगर और दुकानें लगाने की भी अनुमति क्यों दी, यह जानते हुए भी कि जम्मू-कश्मीर में बादल फटने की घटनाएं हर वर्ष बढ़ रही हैं। पहाड़ी इलाकों में पहले भी बादल खूब बरसते थे, लेकिन इस तरह बादल नहीं फटते थे। अब बार-बार हो रही तबाही की वजह जलवायु परिवर्तन तो है ही, वहीं पहाड़ों पर अनियंत्रित और अवैज्ञानिक तरीके से हो रहा निर्माण कार्य भी है। नदी के तटों के नजदीक और पहाड़ों की ढलान पर बन रहे घरों ने इस संकट को बढ़ाया ही है। उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में इस तरह की घटनाओं से अब सजग होने और इससे निपटने की जरूरत है। पहाड़ों पर अधिक संख्या में पर्यटकों के आने, वाहनों की आवाजाही बढ़ने और पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने यहां की प्रकृति को भारी नुकसान पहुंचाया है। नतीजा क्षेत्रीय जलचक्र में बदलाव आया है और इससे हाल के वर्षों में प्राकृतिक आपदा बढ़ी है। कुदरत अगर अपना क्रोध प्रकट कर रही है, तो इसे समझने और चेतने का समय है।

भारत की नई बुलंद तस्वीर: 'झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए!'

दुनिया के आर्थिक और सैन्य मंच पर तेजी से कद्दावर बन चुके गुटनिरपेक्ष देश भारत ने रूस को साधकर नम्बर वन अमेरिका और नम्बर टू चीन को रणनीतिक मुश्किल में डालते हुए भींगी बिल्ली बना दिया है। इससे समकालीन विश्व के जी-7, नाटो, जी--20, ब्रिक्स और एससीओ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में ग्लोबल साउथ की पूछ-परख बढ़ गई है, क्योंकि इनका अगुवा अब भारत बन चुका है।

जानकार बताते हैं कि अमेरिकी दांवपेंचों और चीनी पैंतरों से आजिज आ चुके इन ग्लोबल साउथ के देशों को भारत की सदाशयी नीतियों से जो नीतिगत राहत और वैश्विक सहयोग मिला है, वह इनकी प्राथमिक जरूरत भी है। चूंकि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत सबसे तेज इकॉनमी बन चुका है, मजबूत सैन्य ताकत के रूप में छा चुका है, इसलिए भारत की मुखालफत दुनियावी थानेदारों को भी भारी पड़ सकती है।

यह ठीक है कि सीजफायर और टैरिफ को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के दावों-आरोपों का भारत ने अभी तक जो भी जवाब दिया, उसमें भाषा विनम्र और सांकेतिक रखी गई। खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से। लेकिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गत दिनों जो ठोक-पीटकर जोशीला राजपूती बयान दिया है, इसके कूटनीतिक और राजनीतिक मायने में बिल्कुल अलग और अहम हैं। ऐसा इसलिए कि ट्रंप का नाम भी उन्होंने नहीं लिया, लेकिन इस बार जवाब ज्यादा सख्त था।

रक्षा मंत्री सिंह के तल्खी भरे बयान यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि अब भारत अपने राष्ट्रीय, मित्रगत और पड़ोसी हितों से कोई समझौता नही करेगा और जो इस रास्ते में अड़चनें पैदा करने की कोशिश करेगा, या वैसी ताकतों को शह देगा, उससे सख्ती पूर्वक ही निपटा जाएगा। इस बार सीजफायर वाली हड़बड़ाहट भी नहीं दिखाई जाएगी। इसलिए अब कोई भी बातचीत बराबरी के स्तर पर ही होनी चाहिए। वो भी अमेरिका-चीन जैसे देशों के साथ अनिवार्य तौर पर। लिहाजा, केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने ठीक ही कहा है कि नया भारत शेर की तरह दहाड़ता है। शक्तिशाली नेताओं की आंखों में देखकर बात करता है।

उल्लेखनीय है कि भारत के साथ अपने मनमाफिक डील करने में नाकाम रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भारत की इकॉनमी को ही 'डेड' बताया था। इसलिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनकी इसी निकृष्ट मानसिकता का दबंग अंदाज में जवाब देते हुए कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया की सबसे दबंग और गतिशील अर्थव्यवस्था करार दिया। जबकि 'सबके बॉस तो हम है' का भाव रखने वाले कुछ देशों को भारत का तेजी से विकास रास नहीं आ रहा है। समझा जाता है कि भारत से होने वाले आयात पर अमेरिका के 50 प्रतिशत टैक्स लगाए जाने के बाद उनका यह बयान सामने आया है।

रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि ऐसी कोशिश की जा रही है कि हमारी चीजें बाहर महंगी हो जाएं। फिर भी कोई ताकत दुनिया की बड़ी शक्ति बनने से भारत को नहीं रोक सकती है। तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था अगर किसी देश की है तो वह हमारे भारत की है। अब भारत ₹24000 करोड़ का रक्षा उत्पाद दुनिया को निर्यात कर रहा है। अब हमने भी ठान लिया है कि आतंकियों को उनके धर्म देखकर नहीं, बल्कि उनका कर्म देखकर मारेंगे। जो हमें छेड़ेगा, उसे छोड़ेंगे नहीं।

यह महज संयोग नहीं कि रविवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देश की अर्थव्यवस्था पर बात की और भारत की अर्थव्यवस्था के तेज रफ्तार के बारे में संकेत देते हुए साफ कहा कि दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे तेज गति से आगे बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह गति सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की भावना से हासिल की गई है। पिछले 11 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व स्तर पर 10वें स्थान से बढ़कर पहले शीर्ष पांच में पहुंच गई है और अब तेजी से शीर्ष चार से शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर अग्रसर है।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय अर्थव्यवस्था पर निशाना साधने के कुछ दिन बाद पीएम की यह प्रतिक्रिया सामने आई है। पीएम ने यहां तक कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के पीछे भारतीय टेक्नॉलजी और मेक इन इंडिया का हाथ था। उसने कुछ ही घण्टों में पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। गौरतलब है कि रिजर्व बैंक ने पिछले हफ्ते ही भारत की जीडीपी ग्रोथ का 2025-26 के लिए अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा, जबकि दुनिया की बाकी इकॉनमी की ग्रोथ के लिए यह अनुमान तकरीबन 3 फीसदी ही है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के डेटा बताते हैं कि 2024 में भारत ने ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में लगभग 17 प्रतिशत का योगदान दिया और अगले 5 साल में यह आंकड़ा 20 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इस तरह से कोरोना महामारी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने सबसे शानदार रिकवरी की और दुनियावी युद्धों व वैश्विक उथल-पुथल के बीच भी वह बढ़त बनाए हुए है।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय विकसित अर्थव्यवस्था की हकीकत यह है कि खुद अमेरिका की अर्थव्यवस्था इस समय संकट के दौर में गुजर रही है। वहां पर ट्रंप की अव्यवहारिक नीतियों के चलते महंगाई दर बढ़ने का डर है, जिससे आर्थिक विकास दर पर बुरा असर होगा। ऐसा अमेरिकी अर्थशास्त्रियों का भी मानना है। समझा जाता है कि ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी के कारण अगर अमेरिका में मंदी के हालात बनते हैं, तो इसका असर दूसरे मुल्कों पर भी होगा।

श्रृंगी ऋषि के राम

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी को इस जन्म में अक्षरबोध न होने पर भी, एक विशेष समाधि अवस्था में, शवासन की मुद्रा में लेट जाने पर पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर, भगवान राम के दिव्य जीवन को प्रवचनों में साक्षात वर्णित किया है

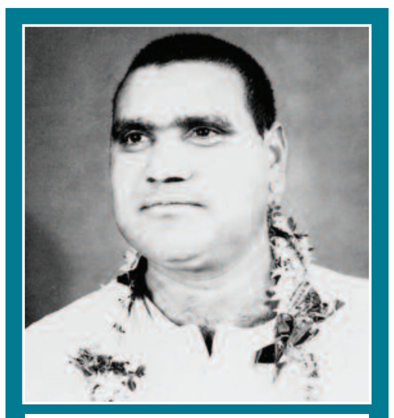

ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी का जन्म 27 सितम्बर, सन 1942 को गाजियाबाद जिले के ग्राम खुर्रमपुर-सलेमाबाद में हुआ,वे जन्म से ही जब भी सीधे, श्वासन की मुद्रा में लेट जाते या लिटा दिये जाते,तो उनकी गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, कुछ मन्त्रोच्चारण होता और उपरान्त विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक,एक दिव्य प्रवचन होता। पर इस जन्म में गरीब परिवार में जन्म लेने के कारण अक्षर बोध भी न कर सके,ऐसे ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन-मानस आश्चर्य करने लगा,बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गूढ़ता के विषय में कोई भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी दिव्यात्मा के प्रवचनों से ही हुआ, कि यह आत्मा सृष्टि के आदिकाल से ही विभिन्न कालों में, श्रृङ्गी ऋषि की उपाधि से विभूषित और इसी आत्मा के द्वारा राजा दशरथ के यहाँ पुत्रेष्टि याग कराया गया,और अब जब वे समाधि अवस्था में पहुँच जाते है तो पूर्व जन्मों की स्मृति के आधार पर प्रवचन करते ,यहाँ प्रस्तुत हैं उनके उनके द्वारा साक्षात् देखा गाया, भगवान्-राम का दिव्य जीवन)

भाग 32

गतांक से आगे .....

माता अरुन्धती ने अपना दीक्षांत-उपदेश देते हुए कहा ''एक वर्ष के पश्चात तुमने इस विजय की,अपनी प्रतीक तुमने अपने आश्रम में वर्णित की है। मेरा यह बड़ा सौभाग्य रहा है,जो मैं तुम्हें दृष्टिपात कर रही हूँ, और तुम दसों इन्द्रियों के ऊपर संयम करो और विज्ञानवेत्ता बन करके अस्त्रों-शस्त्रों का निर्माण करो, निर्माण करके उनका अभ्यास करो, जिससे अयोध्या राष्ट्र ऊँचा बने और अयोध्या राष्ट्र के ऊँचे बनते ही सर्वत्र, पृथ्वी-मंडल एक पवित्रता की लहरों में परिणित हो जायेगा। इन तरंगों में, वह तरंगित हो करके अपने में अपनेपन को प्राप्त करता रहेगा।''

माता अरुन्धती ने अपना उपदेश दे करके,महात्मा महर्षि वशिष्ठ मुनि महाराज की आज्ञा का पालन करते हुए,माता अरुन्धती ने यह कहा कि ''गृह और विद्यालय तब तपोमय बनते हैं, जब माता-पिता जैसे मैं और महात्मा वशिष्ठ, हम दोनों, जब भी विद्यमान होते हैं तो विज्ञान की चर्चाएं करते रहते हैं,परमात्मा की सृष्टि को निहारते रहते हैं और परमात्मा की सृष्टि को निहारना,इस प्रकार माता-पिता एक-दूसरे में देवत्त्व की भावनाओं को लेकर के अपने गृह को पवित्र बनाते रहते हैं।'' तो माता अरून्धती ने कहा कि ''तुम्हारे विचार भी, जब तुम एकत्रित होकर विद्यमान हो जाओ,तो आत्मा-परमात्मा को निहारते रहो और परमात्मा के विज्ञान में चले जाओ और प्रकृतिवाद में रमण करते हुए तुम मनस्त्व की धारा को जान करके प्राण में समाहित हो जाओ और प्राण में समाहित हो करके तुम हृदय में ग्राही हो करके और हृदय से हृदय को मिलान करते हुए परमात्मा के हृदय में समाहित होना, जानने के लिये तुम तत्पर हो जाओ।'' ऐसा, माता अरुन्धती ने अपना लघु विचार देते हुए कहा कि ''तथास्तु अमृतम्'!'' माता अरून्धति ने अपना दीक्षांत उपदेश दे करके और दीक्षा के लिये यह कहा। उन्होंने कहा ''दीक्षा देने वाला तो आचार्य होता है, परन्तु जब वह ब्रह्मचारी विद्यालय से अवकाश लेता है,उस समय पूर्ण दीक्षांत-उपदेश दिया जाता है। यह प्रत्येक वर्ष में एक दीक्षा का उपदेश दिया जाता है कि तुम दीक्षित बनो और दीक्षित बन करके तुम अपने में छात्रत्त्व को धारण करो।'' यह दिवस है अथवा यह जो माह है,यह प्रायः परमपिता परमात्मा ने इसलिये बनाया है कि बल का उपार्जन करना और विज्ञान की धाराओं का जानना, इससे प्रत्येक मानव अपने-अपने उद्देश्य में रत्त होता है। कृषक,अपने में ही लक्ष्मी का उपार्जन करता है, अन्न इत्यादि नवीन आता है, इसलिये यह ह्यदिवसं यह बड़ा पवित्रतम्-में वर्णित किया गया है।प्रवचन सन्दर्भ 6-09-1990

दीक्षान्त उपदेश के समय ब्रह्मचारी कबन्धी ब्रह्मचारी सुकेता और ब्रह्मचारी रोहिणीकेतु के सहित जब महर्षि भारद्वाज जी विश्वामित्र के आश्रम में पधारे तो उन्होंने उन्हें आसन दिया,उनका आतिथ्य किया। आतिथ्य करने के पश्चात नाना वृत्ति के ब्रह्मचारी नतमस्तक हो उनके चरणों को स्पर्श करने लगे,तो महर्षि विश्वामित्र ने कहा कि''आपके उपदेश और क्रियाकलाप के लिए हम सदैव उत्सुक बने रहते हैं।'' महर्षि भारद्वाज मुनि के यहाँ विशाल से विशाल यन्त्र थे और वह विशाल से विशाल ज्ञान और विज्ञान की उड़ानें उड़ते रहते थे। उन्होंने कहा कि''हे ब्रह्मचारियो! तुम्हारा तो अन्तिम चरण है,वह आध्यात्मिकवाद है। भौतिक विज्ञान तो तुम्हारा महान्है और यह विज्ञान आध्यात्मिकवाद की एक भूमिका कहलाती है। सबसे प्रथम तुम अपने में विज्ञानवेत्ता बनो और अणु-परमाणु के ऊपर अन्वेषण करो।'' विश्वामित्र के आश्रम में नाना प्रकार के यन्त्रों का निर्माण भी होता रहा और उन वैज्ञानिक यन्त्रों में विद्यमान हो करके वह अपने में उड़ानें भी उड़ते रहते थे। प्रवचन सन्दर्भ 21-02-1991 क्रमशः.....

संस्कृत साहित्य में वर्ष की व्याख्या

अरुण कुमार उपाध्याय

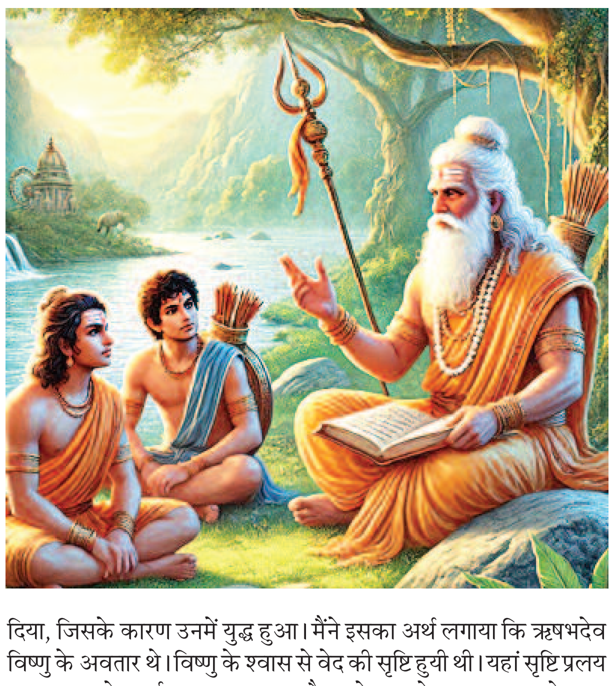

रामायण की नीलकण्ठ टीका में कई स्थानों पर वर्ष का अर्थ दिन कहा है। राजा दिलीप के बारे में लिखा है कि ३०,००० वर्ष शासन करने के बाद यक्ष्मा से उनकी मृत्यु हुई। इसका अर्थ यह नहीं है कि अति दीघार्यु होने के लिए हम सिगरेट, शराब आदि सेवन से यक्ष्मा के रोगी बनें। इसी प्रकार १५ वर्ष के राम-लक्ष्मण को लेने के लिए विश्वामित्र आये थे तो दशरथ ने कहा था कि वह ६०,००० वर्ष के हो गये है-षष्टि वर्ष सहस्राणि जातानि मम कौशिक। यहां वर्ष का अर्थ नीलकण्ठ ने दिन-रात अलग-थलग माना है। अर्थात् ६०,०००÷७२०= ८२ वर्ष प्रायः। इसके अनुसार दशरथ जब ६७ वर्ष के थे तब राम-लक्ष्मण का जन्म हुआ था। उस समय उनकी रानियों की आयु भी ५० वर्ष से अधिक होगी जिसके कारण कायाकल्प की आवश्यकता हुई, जिसे हयमेध (आन्तरिक अश्व या प्राण प्रवाह की बाधा दूर करना) कहा गया है। यह २१ दिन चला था जो कायाकल्प या स्वस्थ होने के आवश्यक काल मानते हैं। दिलीप ने भी २१ दिनों तक नन्दिनी गौ की सेवा की थी-

सप्तव्यतीयुः त्रिगुणानि तस्य, दिनानि दीनोद्धरणोचितस्य (रघुवंश, सर्ग २)

विश्वामित्र के सहस्र वर्ष का अर्थ भी सहस्र दिन-रात या १६ मास है। भगवद्दत्त जी ने भारतवर्ष के बृहत्‌इतिहास में पुरुरवा का राज्यकाल पुराण में तीन प्रकार से उद्धृत किया है-५६ वर्ष, ६४ वर्ष, ६० सहस्र वर्ष। यहां सहस्र का अर्थ प्रायः किया है। अर्थात् विश्वामित्र ने प्रायः १ वर्ष (१६ मास) तपस्या की।

भगवान राम भी यदि ११,००० वर्ष शासन करते तो उनके वंशज की ३०० पीढ़ियां बीत गयी होती, किन्तु उनके स्वधाम गमन के समय लव-कुश वयस्क नहीं हुए थे।

इसी प्रकार जैन शास्त्रों के अनुसार ऋषभदेव ने १०० कोड़ा-कोड़ी (१०० करोड़ .१ करोड़) वर्ष शासन किया था। यह ब्रह्माण्ड की आयु (कल्प) का प्रायः १२ लाख गुणा है। पर उनके देहान्त के समय बाहुबलि वयस्क (२५ वर्ष के) नहीं हुए थे। ४ वर्ष बाद भरत ने उनको बहुत छोटा राज्य दिया, जिसके कारण उनमें युद्ध हुआ। मैंने इसका अर्थ लगाया कि ऋषभदेव विष्णु के अवतार थे। विष्णु के श्वास से वेद की सृष्टि हुयी थी। यहां सृष्टि प्रलय का ८६४ करोड़ वर्ष का चक्र १ श्वास है। ४ सेकण्ड के श्वास चक्र को ८६४ करोड़ वर्ष मानने पर ऋषभदेव की आयु ५३ वर्ष की होगी जो भगवती सूत्र में ५३ पुर्वा लिखा है।

कई वसिष्ठ, विश्वामित्र हुए हैं। आज भी हजारों वसिष्ठ गोत्र या नाम के लोग हैं। महाभारत, शान्ति पर्व अध्याय ३४८-३४९ में ७ मनुष्य ब्रह्मा का वर्णन है। उसके अतिरिक्त पुष्कर के ब्रह्मा तथा कश्यप ब्रह्मा भी थे। जिस वसिष्ठ की व्यास सूची में गणना है, उनके समय के विश्वामित्र की घटना है। उस समय सम्भवतः गौतमी (गोदावरी) तट के अपान्तरतमा ब्रह्मा थे, जिनको वाणी-हिरण्यगर्भ का पुत्र कहा गया है।

आजादी के 78 वर्षों में कितने बदले लोकतंत्र के हालात?

प्रत्येक भारतवासी के लिए 15 अगस्त का दिन गौरव का दिन है क्योंकि इसी दिन भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्ति मिली थी। हालांकि स्वतंत्रता दिवस को लेकर आज भी देश के प्रत्येक नागरिक के दिलोदिमाग में वही जज्बा और उत्साह समाहित है लेकिन जब हर वर्ष स्वतंत्रता के प्रतीक तिरंगे के नीचे खड़े होकर बहुत सारे ऐसे जनप्रतिनिधियों को देश की रक्षा व प्रगति का संकल्प लेते देखते हैं, जो वर्षभर सरेआम लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाते देखे जाते हैं तो मन में यही सवाल उठता है कि आखिर ऐसी संकल्प अदायगी से देश को हासिल क्या होता है? देश को आजाद हुए सात दशक से अधिक हो चुके हैं लेकिन आजादी के इन 78 वर्षों में लोकतंत्र के पवित्र स्थल संसद और विधानसभाओं के हालात किस कदर बदले हैं, वह किसी से छिपा नहीं है, जहां अभद्रता की सीमा पार करते जनप्रतिनिधि गाली-गलौच, उठापटक से लेकर कुर्ता-फाड़ राजनीति तक उतर आते हैं।

विधानसभाओं की तो क्या बात करें, जब संसद की कार्यवाही ही कभी विपक्ष और कभी स्वयं सत्ता पक्ष द्वारा ही कई-कई दिनों तक लगातार नहीं चलने दी जाए तो राष्ट्र के लिए इससे ज्यादा चिंतनीय स्थिति और क्या हो सकती है? संसद में होने वाले ऐसे हंगामों के कारण प्रति मिनट आम आदमी के करीब ढ़ाई लाख रुपये बर्बाद होते हैं यानी हर एक घंटे में करीब डेढ़ करोड़ रुपये खर्च होते हैं। अब चूंकि संसद की कार्यवाही प्रतिदिन 6 घंटे चलनी होती है, ऐसे में संसद के दोनों सदनों में दोनों पक्षों के विरोध, हो-हल्ले और शोर के कारण जनता के खून-पसीने की कमाई के प्रतिदिन करीब 9 करोड़ रुपये से अधिक बर्बाद हो जाते हैं। गंभीर चिंतन का विषय है कि वर्षों की गुलामी के बाद मिली आजादी को आज हम जिस रूप में संजोकर रख पाए हैं, वह 78 वर्षों में ही कितना विकृत हो चुका है। आजादी के दीवानों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि जिस देश को आजाद कराने के लिए वे इतनी कुर्बानियां दे रहे हैं, वहां कुछ दशकों में ही आजादी की तस्वीर ऐसी हो जाएगी। हालांकि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश ने विकास के मार्ग पर तेजी से कदम बढ़ाए और विकास के अनेक सोपान तय किए हैं। तकनीकी कौशल हासिल करते हुए देश अंतरिक्ष तक जा पहुंचा है और चांद पर भी तिरंगा लहरा दिया है। लेकिन महिलाओं से दुर्व्यवहार की लगातार बढ़ती घटनाएं और समाज में अपराधों की बढ़ती सीमा को देख बुजुर्ग तो अब कहने लगे हैं कि गुलामी के दिन तो आज की आजादी से कहीं बेहतर थे, जहां अपराधों को लेकर मन में भय तो व्याप्त रहता था किन्तु कड़े कानून बना दिए जाने के बावजूद अपराधियों के मन में अब किसी तरह का भय नहीं दिखता। ह्यसैयां भये कोतवाल तो डर काहे काह्ल कहावत हर कहीं चरितार्थ हो चली है। देश के कोने-कोने से सामने आते अबोध बच्चियों और महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों के बढ़ते मामले आजादी की बेहद शर्मनाक तस्वीर पेश कर रहे हैं। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ जिस तरह की दरिंदगी की गई है, ऐसे मामलों को देखते हुए और क्या कहा जाए? देश में महंगाई सुरसा की तरह बढ़ रही है, आतंकवाद की घटनाएं पग पसार रही हैं, आरक्षण की आग रह-रहकर देश को जलाती रहती है। इस तरह के हालात निश्चित तौर पर देश के विकास के मार्ग में बाधक बनते हैं। हर कोई सत्ता के इर्द-गिर्द राजनीतिक रोटियां सेंकता नजर आ रहा है, कोई सत्ता बचाने में लगा है तो कोई गिराने में। संसद और विधानसभाओं में हंगामे आए दिन की बात हो गई है।

आजादी के बाद सामाजिक और आर्थिक पहलू पर देश में कमजोर तबके का स्तर सुधारने की नीयत से लागू आरक्षण के राजनीतिक रूप ने देश को आज उस चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है, जहां समूचा देश रह-रहकर जातीय संघर्ष के बीच उलझता दिखाई देता है। स्वार्थपूर्ण राजनीति ने माहौल को इस कदर विकृत कर दिया है, जहां से निकल पाना संभव ही नहीं दिखता। राजस्थान हो या उत्तर प्रदेश, हरियाणा हो या गुजरात अथवा महाराष्ट्र, आरक्षण के नाम पर उठते विध्वंसक आन्दोलनों की आग में से जब-तब बुरी तरह झुलसते रहे हैं और हर कोई इस तरह के परिवेश का राजनीतिक लाभ लेने की कवायद में जुटा नजर आता है। आजादी के बाद के इन करीब साढ़े सात दशकों में भ्रष्टाचार और अपराध इस कदर बढ़ गए हैं कि आम आदमी का जीना दूभर हो गया है। बगैर लेन-देन के प्रायः कोई कार्य सम्पन्न नहीं होता। बड़े नेता की तो कौन कहे, छुटभैया नेताओं की भी चांदी हो चली है। आजादी के बाद लोकतंत्र के इस बदलते स्वरूप ने आजादी की मूल भावना को बुरी तरह तहस-नहस कर डाला है। यह आजादी का एक शर्मनाक पहलू ही है कि गिने-चुने मामलों को छोड़कर हत्या, भ्रष्टाचार, बलात्कार जैसे संगीन अपराधों से विभूषित जनप्रतिनिधि अक्सर सम्मानित जिंदगी जीते रहते हैं। देश के ये बदले हालात आजादी के कौनसे स्वरूप को उजागर कर रहे हैं, विचारणीय है। ऐसे बदरंग हालातों में यह सवाल रह-रहकर सिर उठाने लगता है कि आखिर कैसी है ये आजादी?

RNI No. 62592/95 स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक चंद्रशेखर शास्त्री ने भारती प्रिंटर्स, निकट पुरानी स्टील चुंगी, लोअर बाजार, मोदीनगर-201204, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित किया।

सम्पादकः चन्द्रशेखर शास्त्री, मोबाइलः 7351200046/9411246969, email: u.p.observer@gmail.com

इस आजादी को केवल उत्सव नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व के रूप मे देखेंः अतुल वत्स

प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने किया जीडीए प्रांगड़ में ध्वजारोहण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण परिसर में ध्वजारोहण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया, रात से ही कार्यालय को तिरंगा लाइटों व फूलों से सजाया गया। इस मौके पर प्राधिकरण उपाध्यक्ष अतुल वत्स के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को श्रदांजलि अर्पित करते हुए प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने कहा कि आजादी का अर्थ कर्तव्यों का पालन है।

उन्होंने कहा कि जिस वक्त उनके द्वारा प्राधिकरण उपाध्यक्ष के पद भार को ग्रहण किया गया, उस दौरान प्राधिकरण गंभीर आर्थिक स्थिति के दौर से गुजर रहा था। आंकडों पर गौर करें तो साल 2020-21 के दौरान प्राधिकरण की आय 548.67 करोड थीं, जबकि 2021 से 2024 के दौर के बीच आय का औसत 820.66 करोड था, सभी के अथक प्रयास का नतीजा रहा कि साल 2024-2025 के दौरान आय 1653.24 करोड अर्जित की साथ ही प्राधिकरण को इंडियन बैंक की 800 करोड़ और एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की 165 करोड़ की देनदारी से मुक्त कराया गया।

पिछले चार माह के दौरान 900 करोड़ से अधिक के राजस्व की प्राप्ति की गयी। ये सभी के शतत प्रयास का नतीजा है। वित्तीय वर्ष में अच्छा प्रदर्शन के लिए सभी को बधायी दिया व उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अनुभागों के अधिकारियों का उत्साहवर्धन किया। पहल पोर्टल पर उम्दा कार्य की भी प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने सराहना की। नई योजनाओं के विकास के लिए भी बधाई दी। प्राधिकरण का दायित्व यूँ तो विकास है लेकिन हाल फि ल्हाल में प्राधिकरण के द्वारा ग्रीनाथांन जैसे कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। जिसे प्रत्येक वर्ग के द्वारा सराहा गया। उन्होंने कहा कि भले ही बीते वर्ष प्राधिकरण के नए भवन में कार्यक्रम के आयोजन का संकल्प पूरा नहीं हो सका परंतु उस प्रक्रिया के अंतिम चरण पर हम आ गए हैं। हमे अपने लक्ष्य हमेशा बड़े रखने चाहिए और उन्हे पूरा करने का सतत प्रयास करना चाहिए। प्राधिकरण के सभागार में हाल ही में आयोजित ग्रीनाथन के विजेताओं को ट्राफी और चेक से सम्मानित किया गया। इस दौरान प्राधिकरण सचिव राजेश कुमार सिंह, वित्त नियंत्रक ए के बाजपेयी, अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह, प्रभारी मुख्य अभियंता आलोक रंजन सहित सभी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर नंदनी गौशाला में महापौर ने अधिकारियों के साथ कि गौमाता की पूजा-अर्चना

महापौर ने गौमाता की आरती कर, तिलक कर, माला पहनाकर, चादर उढ़ाकर व गुड़ चारा खिलाकर की पूजा

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। प्रदेश में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूम-धाम से मनाया जाता है। जन्माष्टमी के पर्व पर गो माता की विशेष पूजा किये जाने की परम्परा है। प्रदेश के समस्त जनपदों में गो आश्रय स्थल स्थापित कर, निराश्रित गोवंश को संरक्षित कर उनका भरण-पोषण किया जा रहा है।

और इसी क्रम में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर महापौर सुनीता दयाल ने राज नगर एक्सटेंशन स्थित नगर निगम की नंदनी गौशाला में जाकर गौमाता की पूजा अर्चना की जिसमे आरती कर, तिलक कर, माला पहनाकर, चादर उढ़ाकर व गुड़ चारा खिलाकर पूजा की जिसमे उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ अनुज सिंह, उप पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ मोनिका, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पूजा उपरांत सभी कर्मचारियों एवं स्कूल के बच्चों को प्रशाद वितरण कर महापौर ने सब्बि शहरवासियों को श्री कृष्ण जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी।

गाजियाबाद नगर निगम की गोशाला में नंदनी एवं नन्दी के गोबर से उपयोगी वस्तुओं को बनाया जा रहा है व गोबर से बने दीये, राधा कृष्ण की मूर्तियां एवं अन्य वस्तुओं को तैयार कराकर स्थानीय बाजारों में विक्रय हेतु प्रयास भी किया जा रहा है।

नंदनी गौशाला के कार्यक्रम में कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के स्कूली बच्चों को गो आश्रय स्थलों में भ्रमण हेतु लाया गया और उन्हें गोपालन के प्रति संवेदनशील बनाते हुए श्री कृष्ण जन्माष्टमी के त्यौहार एवं गोपालन के महत्व से अवगत कराया गया।

महापौर ने बताया कि नगर निगम की गौशाला में गौवंशो के लिए बहुत अच्छी और साफ व्यवस्था की हुई है जन्माष्ठमी के शुभ अवसर पर गौपूजन करने का सौभाग्य मिला है लेकिन एक पीड़ा है शहर में लोग गौवंशों/पशुओं को अनाथो की तरह लावारिस छोड़ देते है जिसके कारण शहर में मुख्य मार्गो पर गौवंश खड़े रहते हैं और कई बार दुर्घटना भी हो जाती है जिससे गौवंशों एवं मनुष्यों का एक्सिडेंट हो जाता है, गौवंश को लावारिस छोड़ना पाप है मेरा शहरवासियों से अपील है कि गौवंशों/पशुओ को लावारिस/अनाथ न बनाये, इनकी सेवा करे और परिवार में किसी शुभ कार्य मे गोवंशों को चारा दान के रूप में गोवंशों को खिलाने का प्रयास करे।

दूधेश्वर वेद विद्यालय संस्थान में धूमधाम से मनाया 79वां स्वतंत्रता दिवस

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सिद्धपीठ श्री दूधेश्वर नाथ महादेव मठ मंदिर में संचालित दूधेश्वर वेद विद्यालय संस्थान में 79 वा स्वतंत्रता दिवस विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष, मंदिर के पीठाधीश्वर, श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता व दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज की अध्यक्षता व पावन सानिध्य में धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रमों से देश की आजादी के लिए अपना बलिदान देने वाले बलिदानियों को नमन किया। महाराजश्री व विधायक संजीव शर्मा ने ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम का सञ्चालन आचार्य अजय दाधीच के द्वारा किया गया।समारोह का शुभारंभ वैदिक मंगलाचरण के साथ हुआ।

ऋग्वेद का मंगलाचरण आचार्य किशन, शुक्ल यजुर्वेद का मंगलाचरण शुक्ल यजुर्वेद के छात्र सक्षम, आयुष, अम्बुज, नैतिक, हिमांशु तथा सामवेद का मंगलाचरण धर्मराज व अंशुमान तिवारी ने किया। अथर्ववेद का मङ्गलाचरण आचार्य किशन जी के द्वारा इसके पश्चात माल्यार्पण कर अतिथियों का सम्मान किया गया। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत से अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि आज हम सब अपने तिरंगे के नीचे खड़े होकर उस आजादी का जश्न मना रहे हैं, जिसके लिए देश के असंख्य वीर सपूतों ने अपने प्राणों का बलिदान कर दिया और न जाने कितने स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया।

15 अगस्त 1947 को भारत ने अंग्रेजी हुकूमत की बेड़ियों को तोड़कर आजादी की सांस ली थी। यह आजादी हमें एक दिन में नहीं मिली, बल्कि इसके लिए वर्षो संघर्ष, बलिदान और त्याग करना पडा। अब हमारा भी यह कर्त्तव्य है कि हमें अपने देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने व उसे विकास के शिखर पर ले जाने के लिए ईमानदारी और मेहनत से काम करें। आज राष्ट्रीय पर्व पर हम सभी को मिलकर अपने देश को और ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प करना चाहिए। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि 15 अगस्त 1947 को हमें जो आजादी मिली, उसके लिए देश के वीर सपूतों ने अपना बलिदान दिया। हमें उन उन बलिदानियों को सदा स्मरण रखना चाहिए।

अनुशासन, संयम और एकता की ताकत के बल पर हमें राष्ट्र को प्रगति के शिखर तक ले जाना चाहिए। विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रमों से सभी के अंदर देशभक्ति का जोश भर दिया। संस्कृत गीत हे मे मातृभूमि का गायन अंशुमान तिवारी द्वारा किया गया। संस्कृत गीत का सामूहिक प्रस्तुतीकरण कृष्ण शर्मा एवं धर्मराज तिवारी ने किया। संस्कृत भाषण आनंद शुक्ला, प्रथम वर्ष के छात्र अभिनव उपाध्याय एवं अभिनव वाजपेई ने दिया। संविधान विषय पर हिंदी भाषण शिवांक पाण्डेय ने किया। प्रियांशु पाण्डेय ने देशभक्ति काव्य-पाठ, ब्रह्मलीन श्रीमहंत गौरी गिरी महाराज पर रचित कविता, ध्रुव शर्मा, हिंदू मेरा परिचय कविता (अटल बिहारी वाजपेयी) अभिषेक पांडे, अंग्रेजी भाषण रुद्र प्रताप, ध्रुव शर्मा, अभिषेक पांडे व कृष्णा शर्मा ने किया।

जलवा जलवा, तेरी मिट्टी में मिल जावा, ए वतन ए वतन आदि की प्रस्तुति से वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। विद्यालय के प्राचार्य तोयराज उपाध्याय, सचिव लक्ष्मीकांत पाढी व कोषाध्यक्ष विवेक मित्तल ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। आचार्य अजय दाधीच ने सभी का धन्यवाद किया। विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रसाद विवरण नेशनल रफ़्तार के प्रधान संपादक यथार्थ शर्मा द्वारा किया गया। पवन पुत्र अजय चोपडा, वरिष्ठ आचार्य नित्यानंद, आचार्य रोहित त्रिपाठी, किशन शर्मा, दीपक सिंह आदि भी मौजूद रहे।

आरआईसीटी सेंटर पर मनाया आजादी का जश्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय लोक दल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव विजय कौशिक के अंबेडकर रोड स्थित आर आई सी टी कंप्यूटर सेंटर में ध्वजारोहण कर कर धूमधाम से स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल खेल प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री चौधरी नीरपाल सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे इस पावन अवसर पर उन्होंने सभी को स्वतन्त्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। प्रदेश महासचिव रविंदर चौहान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ सरदार इंद्रजीत सिंह टीटू, प्रदेश सचिव ऑडी त्यागी, चौधरी भूपेन्द्र सिंह, महानगर अध्यक्ष रेखा चौधरी, खेल प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष संजीव चौधरी, महानगर अध्यक्ष संजीव अरोड़ा, जिला सचिव दिनेश शर्मा, युवा महानगर अध्यक्ष तुषार कौशिक नौशाद अहमद विनीत गॉड एवं संस्था की शिक्षिका नीलम ज्योति नीरू तनु सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने सदैव अटल स्मारक पर साधु-संतों के साथ पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धा सुमन अर्पित किए

सबसे पहले राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री व फिर केंद्रीय मंत्रियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी पुण्यतिथि पर शनिवार को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। साथ ही देश के विकास में उनके योगदान को याद किया गया। अटल बिहारी वाजपेयी के स्मारक सदैव अटल पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों का तांता लगा रहा। दूधेश्वर मंदिर के पीठाधीश्वर, श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता व दिल्ली संत महामंडल के अध्यक्ष श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने भी साधु-संतों के साथ पूर्व प्रधानमंत्री को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व कई केंद्रीय मंत्रियों तथा साधु-संतों के साथ श्रद्धांजलि दी। सदैव अटल पर सबसे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने व फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उसके बाद केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू, गजेंद्र सिंह शेखावत, हर्ष मल्होत्रा, मनोज तिवारी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आदि ने श्रद्धांजलि दी। फिर भजन हुए और उसके बाद विश्व प्रसिद्ध धर्म उपदेशक आचार्य सुधांशु महाराज, श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज, दिल्ली संत महामंडल की पूर्व अध्यक्ष साध्वी विद्यानंद गिरि महाराज, दिल्ली संत महामंडल के कोषाध्यक्ष महंत धीरेंद्र पुरी महाराज, वाल्मीकि मंदिर के विद्यार्थी महाराज, महंत देवानंद गिरि महाराज, महंत रमन गिरि महाराज, सुप्रसिद्ध कथा वाचक अजय भाई ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्रीमहंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि आर्थिक सुधारों को आगे बढाने का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को है, जिससे जिससे देश का तेजी से विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। भारत के विकास के लिए अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किए गए कार्यों के लिए देश सदैव ऋणी रहेगा। देश के विकास में उनके योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकेगा।

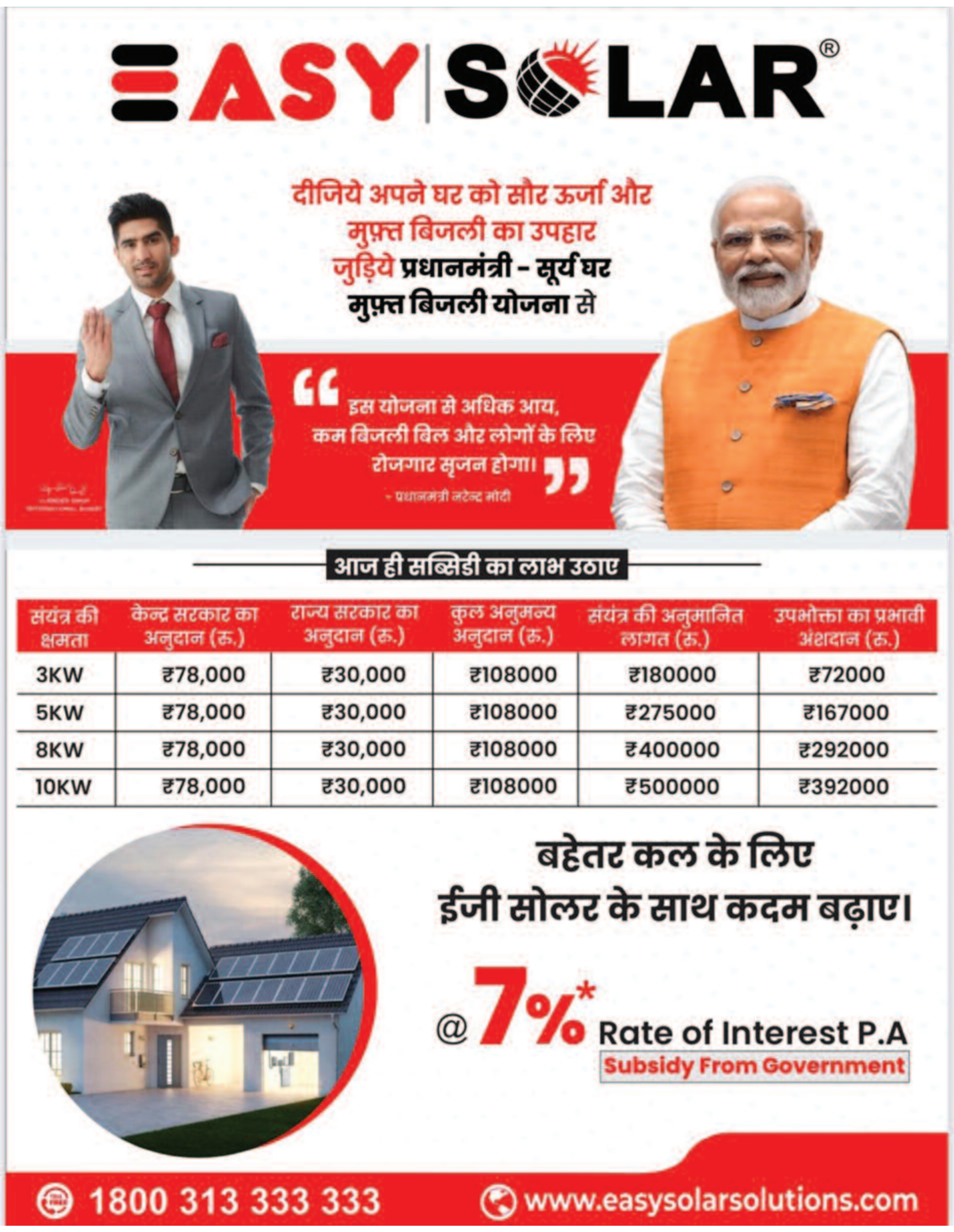

संयंत्र की क्षमता	केन्द्र सरकार का अनुदान (रु.)	राज्य सरकार का अनुदान (रु.)	कुल अनुमन्य अनुदान (रु.)	संयंत्र की अनुमानित लागत (रु.)	उपभोक्ता का प्रभावी अंशदान (रु.)
3KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹180000	₹72000
5KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹275000	₹167000
8KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹400000	₹292000
10KW	₹78,000	₹30,000	₹108000	₹500000	₹392000

स्वतंत्रता दिवस पर जिलाधिकारी ने किया संजरपुर कैड़वा के वृद्धाश्रम का भ्रमण

विश्व बंधु शास्त्री

- वृद्धजनों को वितरित किए फल, मिठाई एवं हैंड टॉवल

बागपत। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने आज 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित वृद्धाश्रम, संजरपुर कैड़वा का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने आश्रम में रह रहे सभी समवासी वृद्ध जनों को फल, मिठाई और हैंड टॉवल वितरित किए तथा उनका हाल-चाल जाना।

जिलाधिकारी ने वृद्ध जनों से संवाद करते हुए कहा कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या हो, तो वे बेहिचक अवगत कराएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृद्धाश्रम में सभी मूलभूत सुविधाएं जैसे साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, मनोरंजन के साधन आदि सुचारू रूप से उपलब्ध रहें।

उन्होंने एसडीएम बड़ौत व समाज कल्याण अधिकारी को समय-समय पर वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम में साफ-सफाई, लूडो और कैरम जैसे मनोरंजन साधन, दैनिक समाचार पत्र एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध पाई गईं। जिलाधिकारी के आगमन से सभी समवासी प्रसन्न हुए और उन्होंने जिलाधिकारी को आशीर्वाद दिया। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर सभी वृद्ध जनों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, एसडीएम बड़ौत भावना सिंह, एसडीएम बागपत अमरचंद वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

केनरा बैंक ने किया लाभार्थियों को मेगा ऋण वितरण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। जनपद के बड़ौत नगर में केनरा बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से भारत सरकार की स्त्री शक्ति योजना के लाभार्थियों के लिए मेगा ऋण संवितरण शिविर का आयोजन किया गया। मंगलवार को नगर के एक फार्म हॉउस में आयोजित मेगा ऋण संवितरण शिविर का उद्घाटन केनरा बैंक के कार्यपालक निदेशक श्री भवेन्द्र कुमार द्वारा किया गया। स्त्री शक्ति योजना के लगभग 500 से अधिक लाभार्थियों ने इस आयोजन में प्रतिभाग किया।

अपने संबोधन में केनरा बैंक के कार्यपालक निदेशक भवेन्द्र कुमार ने कहा कि केनरा बैंक भारत सरकार, राज्य सरकारों एवं कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व को लागू करने में सदैव अग्रणी रहा है। साथ ही बैंक सभी प्रकार के खुदरा ऋण उत्पादों जैसे कि आवास ऋण, वाहन ऋण, संपत्ति पर ऋण, शिक्षा ऋण और अन्य व्यक्तिगत ऋण को किफायती ब्याज दरों पर प्रदान करता रहा है।

इस बात का उन्होंने उल्लेख किया कि केनरा बैंक आमजन तक बैंकिंग सुविधा पहुंचाने का प्रयास करते हुए देश कि आर्थिक प्रगति में अपना योगदान दे रहा है।

आगरा अंचल के महा प्रबंधक रजनीकान्त ने अपने सम्बोधन में कहा कि केनरा बैंक सदैव ही आमजन को बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। आगरा अंचल के अंतर्गत आने वाले सभी शाखाओं के माध्यम से हम रिटेल, एम एस एम ई, कृषि एवं डिजिटल बैंकिंग के माध्यम से आमलोगों को सरल एवं सुलभ बैंकिंग सेवा प्रदान कर रहे हैं। केनरा बैंक के कार्यपालक निदेशक भवेन्द्र कुमार ने मेगा ऋण संवितरण शिविर में लगभग 500 से अधिक लाभार्थियों को संवितरण चेक/स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए। इस अवसर पर केनरा बैंक ने भारत सरकार, राज्य सरकार कि कल्याणकारी योजनाओं और केनरा बैंक के विभिन्न उत्पादों पर आधारित एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। इस अवसर पर आगरा अंचल के महा प्रबंधक रजनीकान्त, सहायक महाप्रबंधक और क्षेत्रीय प्रमुख, बागपत, मिन्हाजुल / कमर, अंचल कार्यालय आगरा, क्षेत्रीय कार्यालय, बागपत के अन्य कार्यपालकगण और शाखाओं के प्रमुखगण उपस्थित रहे।

खेकड़ा नपा उपचुनाव में मीता गोयल की जीत

295 वोटों से प्रतिद्वंदी को हराया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। नगर पालिका परिषद के वार्ड पांच उपचुनाव में दिवंगत सभासद राजीव गोयल की पत्नी मीता गोयल ने जीत हासिल की। उन्होंने पूर्व सभासद नरेश धामा को 295 मतों से हराया।

11 अगस्त को हुए मतदान में 1,408 मतदाताओं में से 833 ने वोट डाले। बुधवार को तहसील परिसर में दो राउंड में मतगणना हुई। मीता गोयल को 551, नरेश धामा को 256 और 26 वोट रद्द मिले।जीत का प्रमाण पत्र चुनाव अधिकारी और जोनल मजिस्ट्रेट वंशिका सिंह ने सौंपा। मीता गोयल ने जीत का श्रेय कस्बावासियों और भाजपा कार्यकताओं को देते हुए दिवंगत पति के सपनों को पूरा करने का संकल्प दोहराया।

हरिशंकरी के रोपण से प्रसन्न होते हैं ब्रह्मा विष्णु महेश– हरेंद्र तेवतिया

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गढ़मुक्तेश्वर। गढ़मुक्तेश्वर वन विभाग के तत्वाधान में आज हरिशंकरी का रोपण करके स्वाधीनता दिवस का कार्यक्रम मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया रहे इस अवसर पर हरिशंकरी का रोपण करते हुए विशिष्ट अतिथि लोकभारती के क्षेत्र संयोजक पर्यावरणविद भारत भूषण गर्ग ने बताया की हरीशंकरी के रोपण से वायुमंडल में ऑक्सीजन की पर्याप्त मात्रा बढ़ जाती है तथा पक्षियों के लिए भंडारा तथा पशुओं के लिए धर्मशाला का निर्माण होता है साथ ही साथ जल कलश की स्थापना भी हो जाती है।

मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया ने कहा कि आज गढ़मुक्तेश्वर में वन विभाग के तत्वाधान में हरियाली बढ़ रही है उन्होंने इस कार्य के लिए गढ़मुक्तेश्वर रेंज के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को और अधिक परिश्रम से इसी प्रकार वृक्षारोपण करने के लिए कहा उन्होंने कहा कि मैं जहां-जहां भी गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में वन विभाग के वृक्षारोपण को देखा है वह आदर्श स्थिति में है उन्होंने कहा कि हरि संकरी ब्रह्मा विष्णु महेश की प्रतीक होती है।

इसके लगाने से उसे स्थान पर त्रिदेवों की छत्रछाया बनी रहती है आज हम सबके लिए इस अवसर पर यही संदेश देना चाहूंगा कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनकी रक्षा की जाए जिससे हमारे आने वाले बच्चों को सांसों के संकट सी जूझना पड़े। वन क्षेत्र अधिकारी करण सिंह ने उपस्थित सभी लोगों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि वन विभाग आप सब लोगों के साथ खड़ा है आज हमारे पास प्रत्येक प्रजाति के वृक्ष उपलब्ध हैं विशेष रूप से पर्यावरण को शुद्ध करने वाले आप अपने परिवार में किसी भी खुशी के अवसर पर वृक्ष लगाकर उसे अवसर को ऐतिहासिक बनाएं। इस अवसर पर गंगा सेवक मूलचंद आर्य दिनेश गर्ग विनोद कुमार लोधी रोहित मल्होत्रा गोपाल ठाकुर डॉ मनोज मलिक वन दरोगा सचिन कुमार अरुण त्यागी गौरव कुमार एमटीएस जयप्रकाश हरिप्रकाश गौरव कुमार आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

वीरांगना नीरा आर्य को दी गई विश्व स्तर पर श्रद्धांजलि

कई देशों के लोगों ने देखी खेकड़ा की बेटी के जीवन पर आधारित फिल्म

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जहाँ खेकड़ा की बेटी नीरा आर्य के जीवन पर आधारित फिल्म आर्यपुत्री का प्रसारण आर्य संदेश टीवी के माध्यम से लाइव हुआ, वहीं 16 अगस्त की सुबह नीदरलैंड, मॉरीशस एवं फिजी में बसे भारतीय मूल के लोगों ने अपने–अपने टीवी चैनलों के माध्यम से इस फिल्म को देखा। इससे पहले एम्सटर्डम, नीदरलैंड में आयोजित एक कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नीदरलैंड में भारतीय राजदूत श्रीकुमार तुहिन ने कहा कि नीरा आर्य ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है, उन्हें विश्व के हर कोने में जहाँ भी भारतीय होंगे, स्मरण अवश्य करते रहेंगे। नीदरलैंड के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मंच संचालन विश्वास दूबे, नीदरलैंड ने किया था। कार्यक्रम के संयोजक नीदरलैंड के चर्चित शिक्षाशास्त्री रामा तक्षक थे। कार्यक्रम में वक्ताओं के रूप में नीदरलैंड में रह रहे अनिवासी भारतीय आलोक शर्मा, अश्विनी केगांवकर, महेश वल्लभ पांडेय, डॉ. राघव पाठक, तेजपाल सिंह धामा और बलवीर सिंह करूण ने भी अपने–अपने विचार प्रकट किए।

इधर, खेकड़ा में भी नीरा आर्य को स्मरण किया गया। यहाँ वक्ताओं ने कहा कि हम स्वतंत्रता की खुली हवा में जो आज सांसें ले रहे हैं, वह भारत देश के महान बलिदानियों के कारण ही संभव हुई है। यह विचार नीरा आर्य स्मारक एवं पुस्तकालय खेकड़ा में मोहम्मद गुलजार अहमद ने व्यक्त किए।

नीरा आर्य स्मारक एवं पुस्तकालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नीरा आर्य की प्रतिमा को पुष्पांजलि के बाद ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर नीरा आर्य को अपनी श्रद्धांजलि देते हुए मो. अकिल अहमद ने कहा कि महान वीरांगना नीरा आर्य, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, रामप्रसाद बिस्मिल, अश्फाक उल्ला खान जैसे महान क्रांतिकारियों के कारण ही हमारे देश को स्वतंत्रता मिली।

नीरा आर्य स्मारक के प्रबंधक हरबीर धामा ने कहा कि वीरांगना नीरा आर्य हमारे गांव ही नहीं वरन भारत वर्ष की ऐसी बिटिया थी, जिन्होंने देश सेवा एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जान की रक्षा के लिए अपने ही पति का बलिदान कर दिया था। हरबीर धामा ने इस अवसर पर घोषणा की कि नीरा आर्य की स्मृति में प्रतिवर्ष दिए जाने वाले राष्ट्रीय सम्मान 'नीरा आर्य पुरस्कार' की राशि 21 हजार से बढ़ाकर 51 हजार रुपए कर दी गई है।

इस अवसर पर मोहम्मद बोना अहमद, मो. अकिल अहमद, मो. गुलजार अहमद, राजीव धामा, गब्दे धामा, हरबीर धाम, विनोद धामा आदि उपस्थित रहे।

अभिमन्यु गुप्ता बने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अपीलिय कमेटी के सदस्य

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बागपत। जिला ग्राम विकास अधिकरण के परियोजना निदेशक राहुल वर्मा के पत्र के अनुसार व आयुक्त उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार जिलाधिकारी बागपत श्रीमती अस्मिता लाल के अनुमोदन पर व्यापारी नेता अभिमन्यु गुप्ता गैर सरकारी प्रधानमंत्री ग्रामीण आवासीय योजना के अपीलीय कमेटी के सदस्य नामित किए गए हैं। उनके कमेटी का सदस्य चुने जाने पर व्यापारियों में हर्ष की लहर व्यक्त हो गई। काफी संख्या में व्यापारी अभिमन्यु गुप्ता को बधाई देने उनके प्रतिष्ठान पर पहुंचे। बधाई देने वालों में जिला महामंत्री हंसराज गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष ईश्वर अग्रवाल, जिला महामंत्री पंकज गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष संजय गर्ग, छपरौली के अध्यक्ष प्रमोद जैन, दोघट के अध्यक्ष राकेश जैन, अमीनगर सराय के अध्यक्ष राकेश बंसल, बागपत के नगर अध्यक्ष मनोज कुमार गोयल, अग्रवाल मंडी के पूर्व अध्यक्ष डॉ विनोद कुमार, संजय गोयल, श्रीपाल वर्मा, हेमकांत आर्य, पवन कुमार शर्मा, पूर्व सभासद मनोज आर्य, सभासद आर्य भूषण आर्य, सुरेश जिंदल, सतीश जिंदल, प्रधान आर्य समाज डॉ रामलाल, विभोर जिंदल, बृजभूषण गोयल, डॉ मयंक गोयल, कोषाध्यक्ष रेडक्रॉस सोसाइटी कृष्ण कश्यप, अंकित गोयल, मनीष सिंगल, शाहिद आदि शामिल रहे। सभी ने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया।

एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी में मना 79वां स्वतंत्रता दिवस

गाजियाबाद। एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्षोल्लास, देशभक्ति और गरिमा के साथ मनाया गया। यह भव्य आयोजन विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन स्थित सेमिनार हॉल में हुआ, जिसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के गणमान्य अतिथि, शिक्षकगण, कर्मचारी और छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9:15 बजे एसडीजीआई वर्ल्ड स्कूल द्वारा निकाली गई रंगारंग प्रभात फेरी से हुआ। इसके बाद औपचारिक सभा एवं एनसीसी कैडेट्स का आकर्षक मार्च पास्ट हुआ। राष्ट्रीय ध्वज को पूर्ण सम्मान के साथ फहराया गया और सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया, जिससे वातावरण में देशभक्ति का अद्भुत संचार हुआ। मुख्य अतिथियों द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन किया गया और सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख गणमान्य अतिथियों में चांसलर महेंद्र अग्रवाल , वाइस चेयरमैन अखिल अग्रवाल , प्रो-चांसलर नितिन अग्रवाल , वाइस चांसलर एवं मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) प्रसेनजीत कुमार, प्रो-वाइस चांसलर पियूष श्रीवास्तव तथा रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रतन, मोनिका अग्रवाल, शैली अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, आदि शामिल रहे। अपने संबोधन में चांसलर महेंद्र अग्रवाल ने कहा कि स्वतंत्रता हमारे वीर सेनानियों का अमूल्य उपहार है, जिसे हमें एकता, अनुशासन और राष्ट्र प्रगति के संकल्प से सुरक्षित रखना है। वाइस चेयरमैन अखिल अग्रवाल ने युवाओं को देश की असली ताकत बताते हुए शिक्षा, कौशल और मूल्यों के माध्यम से भारत को विश्व गुरु बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर सभी निदेशक, विभागाध्यक्ष, शिक्षक सुभाष शर्मा मुख्य लेखा अधिकारी, संदीप सिंह, प्रोक्टर एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी, डॉ. अवधेश प्रताप सिंह, निदेशक स्कूल ऑफ एजुकेशन, सपना, प्रधानाचार्य सुंदरदीप वर्ल्ड स्कूल, सभी प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी, सुमित सिंह, निदेशक एडमिशन छात्र-छात्राएँ एवं अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

गन्ने में रोग व कीट नियंत्रण हेतु विभाग 200 ड्रोन से कर रहा उपचार

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गन्ना फसल के संरक्षण एवं रोग नियंत्रण हेतु दैनिक अनुश्रवण करें फील्ड आफिसरः अपर मुख्य सचिव

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास वीना कुमारी की अध्यक्षता में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गन्ना फसल के संरक्षण एवं रोग नियंत्रण विषय पर मुख्यालय स्तर पर दैनिक अनुश्रवण बैठक कार्यालय सभागार में सम्पन्न हुई।

इस बैठक में रोग व कीट से प्रभावित गन्ना फसल के आंकलन एवं त्वरित रोकथाम के लिए सभी परिक्षेत्रीय उप गन्ना आयुक्त, जिला गन्ना अधिकारियों एवं चीनी मिलों के प्रबन्धक, केन मैनेजर, फील्ड स्टाफ को प्रतिदिन क्षेत्र भ्रमण करने के कड़े निर्देश दिये गये। अपर मुख्य सचिव ने प्रदेश के समस्त अधिकारियों को निर्देश दिया कि रोग व कीट से प्रभावित गन्ना क्षेत्रों का दौरा कर किसानों को उचित सलाह के साथ रोग व कीट के नियंत्रण हेतु विभाग में उपलब्ध 200 ड्रोन से रासायनिक दवाओं का छिड़काव भी करायेगें।

अपर मुख्य सचिव ने दैनिक अनुश्रवण बैठक में बताया कि विभागीय अधिकारियों द्वारा अब तक स्थानीय जन प्रतिनिधियों से संपर्क स्थापित कर कुल 2046 बाढ़ प्रभावित गन्ना ग्रामों का भ्रमण कर आख्या प्रस्तुत की गयी है, जिसमें गन्ना किस्म को. 0238 में 237 हेक्टेयर रेड रॉट, 3033 हेक्टेयर पोक्का बोइंग एवं 3,349 हेक्टेयर टाप बोरर से प्रभावित गन्ना फसल के उपचार हेतु विशेष अभियान चलाकर ड्रोन से रासायनिक दवाओं का छिड़काव कराने के लिए समस्त परिक्षेत्रीय अधिकारियों को निर्देशित भी किया।

उन्होंने बताया कि रोग व कीट से प्रभावित गन्ने में ड्रोन का इस्तेमाल कर रासायनिक छिड़काव अत्यधिक प्रभावी होता है, इसलिए गन्ना समितियां एवं चीनी मिलें प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को ड्रोन की उपलब्धता सुनिश्चित कराते हुए दवाओं का छिड़काव करायें।

जिससे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गन्ना फसल के संरक्षण, रोग व कीट पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। उन्होंने प्रदेश की चीनी मिलों को भी निर्देशित किया कि बाढ़ से प्रभावित गन्ना फसल के संरक्षण व रोग से प्रभावी नियंत्रण के लिए किसानों के खेतों से जल निकास के उपरान्त चीनी मिलें दवाओं का ड्रोन से छिड़काव अनिवार्य रूप से करायेगीं।

प्रदेश के आयुक्त, गन्ना एवं चीनी उ.प्र. मिनिस्ती एस. ने बताया कि हाल ही में आई बाढ़ एवं लगातार वर्षा के कारण कई क्षेत्रों में गन्ना फसल जलभराव से प्रभावित हुई है, जिससे गन्ने के पौधों की जड़ों में सड़न, गन्ने के गिरने तथा कीट व रोग संक्रमण की संभावना बढ़ गई है। गन्ना विकास विभाग गन्ने से आच्छादित जनपदों में समस्त गन्ना उत्पादक कृषकों को अपनी फसल की सुरक्षा एवं उत्पादकता बनाए रखने हेतु निम्नलिखित सावधानियाँ व उपाय अपनाने की सलाह देता है-

जल निकासी

- खेतों में किसी भी प्रकार का जलभराव शीघ्र समाप्त करें।
- आवश्यकतानुसार मेड़ तोड़कर अथवा नालियाँ बनाकर अतिरिक्त पानी बाहर निकालें।

गन्ना पौध की सफाई एवं देखभाल

- गिरे हुए गन्ने को सहारा देकर खड़ा करें एवं 24 से 48 घण्टे के अन्दर गन्ने की पौध की बंधाई करें।

रोग नियंत्रण

- लाल सड़न रोग की रोकथाम हेतु कार्बेन्डाजिम 50 हढ का पर्णीय छिड़काव करें।
- रोगग्रस्त पौधों को उखाड़कर नष्ट करें, जिससे संक्रमण का प्रसार न हो सके।

कीट नियंत्रण

- टॉप बोरर, रूट बोरर, सफेद मक्खी कीट, पोक्का बोइंग तथा अन्य हानिकारक कीटों के नियंत्रण हेतु विभाग एवं वैज्ञानिकों द्वारा अनुशंसित कीटनाशकों का समय पर छिड़काव करें।

पोषण प्रबंधन

- पौध की ताजगी एवं वृद्धि के लिए 2% यूरिया घोल का पर्णीय छिड़काव करें।

निरंतर निगरानी

07 से 10 दिन के अंतराल पर फसल की स्थिति की जाँच करें तथा किसी भी समस्या की स्थिति में निकटतम गन्ना विकास परिषदों / गन्ना समितियों अथवा जिला गन्ना अधिकारियों से तत्काल संपर्क करें।

गन्ना विकास विभाग कृषकों को आश्वस्त करता है कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फसल बचाव, रोग एवं कीट नियंत्रण हेतु तकनीकी परामर्श, आवश्यक रसायन एवं संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

प्रदेश के सभी गन्ना किसान भाईयों से अनुरोध है कि कीट व रोग के प्रभावी नियंत्रण हेतु अपने नजदीकी गन्ना समितियों, गन्ना विकास परिषदों, जिला गन्ना अधिकारी कार्यालयों में स्थापित हेल्पलाइन फोन नंबर पर सलाह हेतु संपर्क करें अथवा प्रदेश के मुख्यालय में स्थापित विभागीय टोल-फ्री नं0 18001213203 पर तत्काल सूचित कर सकते हैं।

79वां स्वतंत्रता दिवसः योग, प्राणायाम और तिरंगे के सम्मान के साथ गूंजा मानव औषधि पार्क

गाज़ियाबाद। राजनगर सेक्टर-4 स्थित मानव औषधि पार्क में अखिल भारतीय योग साधना केंद्र के सभी योग साधकों ने 79वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही उत्साह, उल्लास और देशभक्ति के जज्बे के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरूआत नियमित योग और प्राणायाम सत्र से हुई, जिसमें सभी साधक तिरंगे की भावना में रंगे नजर आए। योग एवं प्राणायाम के उपरांत ध्वजारोहण किया गया और सभी ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया। इसके बाद मिठाई वितरण कर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन किया गया। इस अवसर पर डॉ. आर. के. पोद्दार ने कहा आजादी केवल एक उपहार नहीं, यह उन बलिदानों का परिणाम है जिन्हें हमें सदा स्मरण रखना चाहिए। योग हमें अनुशासन, संयम और एकता का संदेश देता है, जो राष्ट्र की प्रगति के लिए आवश्यक है।

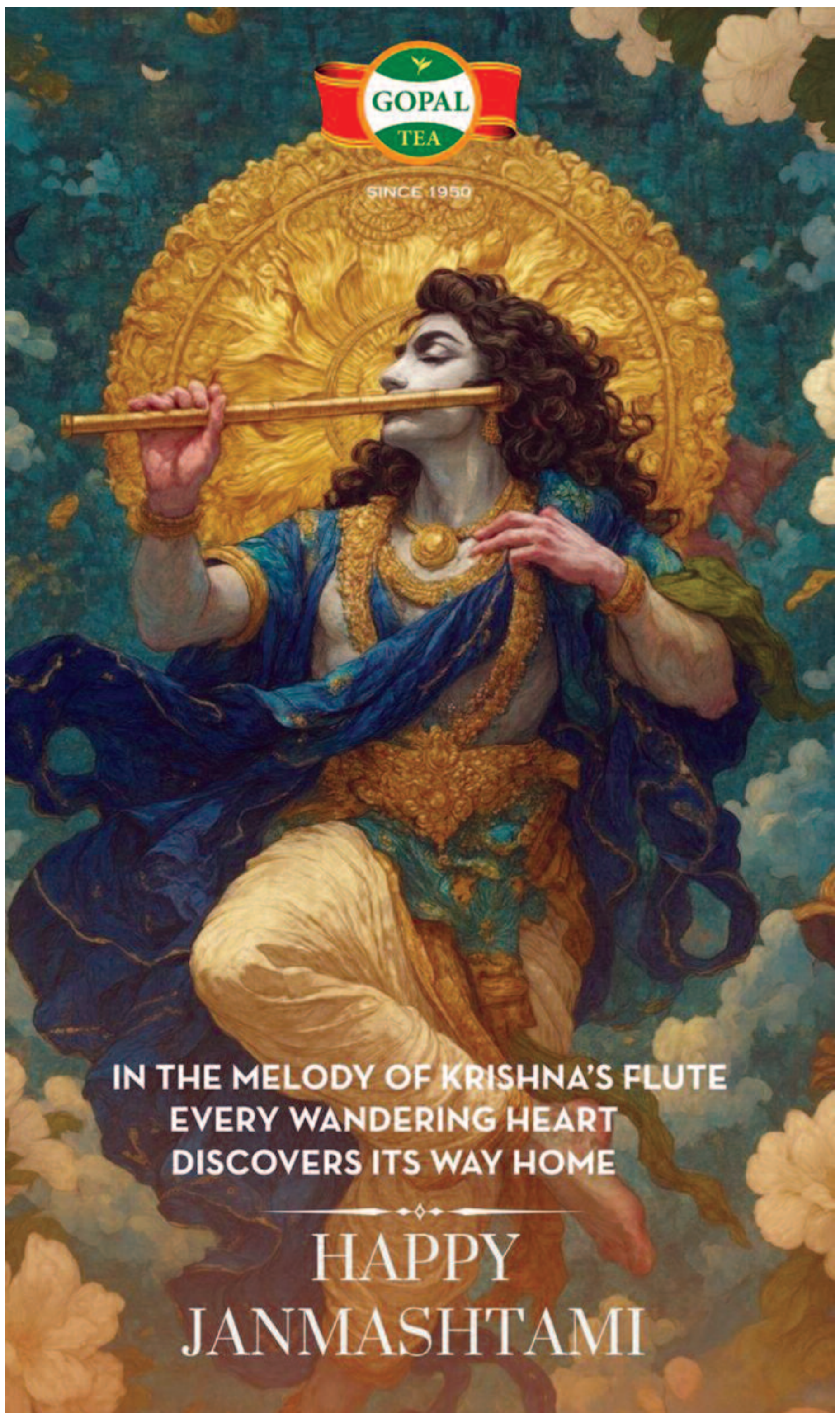

उप गन्ना आयुक्त के नेतृत्व में चीनी मिल नंगलामल के क्षेत्र में फील्ड विजिट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। नंगलामल चीनी मिल के अंतर्गत ग्राम नंगलामल, रछौती, जसौरी एवं मुण्डाली में गन्ना फसल की स्थिति का फील्ड निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण उप गन्ना आयुक्त मेरठ, श्री राजीव राय के नेतृत्व में किया गया, जिसमें विभागीय अधिकारी एवं चीनी मिल प्रबंधन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान 8 चयनित प्लॉटों (कुल 2.513 हे०) में रेड रॉट, पोका बोईग एवं चोटी बेधक कीट के आंशिक आपतन का 18 कलंप का निरीक्षण किया गया। यह रोग एवं कीट गन्ने की उपज, शर्करा प्रतिशत एवं भविष्य के उत्पादन चक्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं, यदि समय रहते नियंत्रण न किया जाए।

उप गन्ना आयुक्त ने निर्देश दिए कि

1. रेड रॉट जैसी फफूंदी जनित बीमारी पर सतत और ब्लॉक-वार निगरानी अनिवार्य की जाए।
2. संक्रमित कलम्प को उखाड़कर बैग में डालकर खेत से बाहर नष्ट किया जाए।
3. संक्रमण स्थल पर ब्लीचिंग पाउडर डालकर मिट्टी से पूरी तरह बंद किया जाए।
4. यदि संक्रमण का प्रतिशत अधिक हो, तो थियोफैनेट मिथाइल 70% हढ का समुचित मात्रा में छिड़काव किया जाए।

उप गन्ना आयुक्त द्वारा बताया गया कि अब तक के सर्वेक्षण में 20 प्लॉटों में कुल 57 कलम्प रेड रॉट से ग्रसित पाए गए, जिनका प्रभावित क्षेत्रफल लगभग 5.953 हे० है। यह आंकड़ा दशार्ता है कि यद्यपि रोग का प्रसार सीमित है, लेकिन यदि प्रभावी नियंत्रण उपाय तत्काल न किए गए तो यह अगले फसल चक्र में गंभीर चुनौती बन सकता है। रेड रॉट गन्ना फसल की सबसे विनाशकारी बीमारियों में से एक है, जो उपज को 30-70% तक कम कर सकती है। पोका बोईग व चोटी बेधक कीट की उपस्थिति दशार्ती है कि कीट प्रबंधन कार्यक्रम को और सघन बनाने की आवश्यकता है।

भ्रमण के दौरान ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक मेरठ, वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नंगलामल, महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक (गन्ना) एवं फील्ड स्टाफ उपस्थित रहे। इस संयुक्त प्रयास का उद्देश्य किसानों को समय पर तकनीकी मार्गदर्शन देना एवं गन्ना उत्पादन की गुणवत्ता एवं मात्रा को सुरक्षित रखना है।

भारतीय योग वियतनाम के लोगों को आकर्षित कर रहा है...

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

वियतनाम में लाखों लोग योग का अनुसरण करते हैं। वियतनाम के लोग योग के महत्व को समझ रहे हैं और इससे स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

वियतनाम की जीएलजी योगा की अध्यक्ष सुश्री हो थी मिन ने 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन सभागार में आयोजित एक संगोष्ठी में यह विचार व्यक्त किए।

वह लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थीं, लेकिन अब योग अपनाकर उन्हें स्वास्थ्य लाभ मिल रहा है। उन्होंने बताया कि उन्होंने संकल्प लिया है कि वह अपना पूरा जीवन योग को समर्पित करेंगी और वियतनाम में योग के प्रचार-प्रसार के लिए दिन-रात काम करेंगी।

इस संगोष्ठी के लिए 20 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल भारत पहुँचा है। इसका आयोजन राष्ट्रीय समग्र स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) द्वारा, तनेजा रिजॉर्ट एंड वेलनेस सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में एसकेएम योग के सहयोग से और जीएलजी योग, ग्रीन लिविंग ग्रुप-वियतनाम के सहयोग से किया गया था।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए गुजरात योग बोर्ड के अध्यक्ष श्री शीशपाल राजपूत ने कहा कि हमारा शरीर पंचतत्वों से बना है। इन पंचतत्वों का हमारे शरीर पर प्रभाव पड़ता है और हमें सुबह से रात तक अपनी दिनचर्या में पंचतत्वों का ध्यान रखना चाहिए और अपने खान-पान पर भी ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए बताया कि वे प्रतिदिन 100 सूर्य नमस्कार करते हैं और दोपहर तक केवल जल पर ही जीवित रहते हैं तथा उसके बाद फलाहार करते हैं। इससे उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है और वे दिन भर ऊर्जावान बने रहते हैं।

संगोष्ठी में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित राजनांदगांव-छत्तीसगढ़ के पूर्व सांसद प्रदीप गांधी ने कहा कि जीवन में योग के साथ-साथ हमें अपने खान-पान का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए, तभी हम स्वस्थ रह सकते हैं।

इस अवसर पर तनेजा रिसोर्ट एवं वेलनेस सेंटर के अध्यक्ष एवं भारतीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान के संस्थापक डॉ. एम.के. तनेजा ने अपने उद्घाटन भाषण में योग और वेलनेस के संयुक्त उपयोग पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि वर्तमान परिस्थिति में योग के साथ-साथ हमारी जीवनशैली और हमारे विचार भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हमें इन पर विशेष रूप से कार्य करना होगा और अपने स्वास्थ्य को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखना होगा।

इस सेमिनार में देश-विदेश के 200 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। वियतनाम के वरिष्ठ वैज्ञानिक, चिकित्सक और योग पर शोध कर रहे विद्वान भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। एसकेएम योग के संस्थापक डॉ. शिवम मिश्रा ने सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया और उनका परिचय कराया। डॉ. शिवम ने विशेष रूप से वियतनाम से आए चिकित्सकों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वैज्ञानिकों और शोधार्थियों का परिचय कराते हुए बताया कि वियतनाम में योग का प्रचार-प्रसार बहुत तेजी से हो रहा है और यह प्रतिनिधिमंडल भारत की योग और प्राकृतिक चिकित्सा की इन विधियों को समझने के लिए भारत भ्रमण पर है।

सेमिनार में अंतर्राष्ट्रीय गुरु सुनील सिंह ने सभी को स्वस्थ रहने की जापान की विशेष विधि का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि यदि हम प्रतिदिन यह क्रिया करते हैं, तो हम स्वस्थ रहेंगे और सभी को हमेशा स्वस्थ रख सकते हैं।

योग गुरु धाकरम ने अपने विशेष आसनों का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए हमें केवल अपने स्वास्थ्य को ठीक करना होगा और साथ ही स्वास्थ्य के लिए विशेष क्रियाएँ भी प्रदर्शित कीं, जिनका लोगों ने लाभ उठाया।

मुंबई से आए रेजुवा वेलनेस के संस्थापक डॉ. संतोष पांडे ने डायनामिक एक्यूप्रेशर पर अपना विषय प्रस्तुत किया और सभी उपस्थित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया।

डॉ. संतोष पांडे बॉलीवुड अभिनेताओं के डॉक्टर हैं और अधिकांश अभिनेता उनसे उपचार का लाभ ले रहे हैं।

कार्यक्रम में योग एवं वेलनेस के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले योगाचार्यों एवं चिकित्सकों को सम्मानित किया गया, जिनमें मुख्य रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु सुनील सिंह, योगाचार्य धाकरम, डॉ. प्रदीप कुमार, श्री प्रवेंद्र दहिया, डॉ. राजीव कुमार, डॉ. जस्सी कटारिया, जुल्फिकार राशिद, डॉ. नीलम चौधरी, रजनीश गर्ग, अमरजीत अहलूवालिया, पं. संजीव शंकर योगाचार्य, दीपक कृष्णात्रेय, सौम्य चौहान, सुनील कनोजिया को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया।

सभी प्रतिनिधियों ने सेमिनार के उपयोगी सत्रों का लाभ उठाया। मंच द्वारा सभी उपस्थित प्रतिनिधियों को सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम के औपचारिक समापन के बाद सभी ने जलपान का आनंद लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होलिस्टिक हेल्थ के अध्यक्ष डॉ. विनोद कश्यप ने किया।

सीएम योगी के नेतृत्व में गो सेवा से तरक्की करेगा यूपी

लखनऊ। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई उड़ान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन को साकार करने के लिए उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग ने पतंजलि योगपीठ के साथ साझा रणनीति बनाई है। हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ में उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने योग गुरु बाबा रामदेव और पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण से विस्तृत चर्चा की। इस बातचीत में उत्तर प्रदेश में गो संरक्षण, पंचगव्य उत्पाद, प्राकृतिक खेती और बायोगैस संयंत्रों के प्रसार को बढ़ावा देने पर सहमति बनी है।

योगी सरकार का संकल्प : आत्मनिर्भर गोशालाएं, सशक्त किसान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि गांव की गाय, गांव की तरक्की का आधार है। इसी सोच को धरातल पर उतारने के लिए पतंजलि योगपीठ ने तकनीकी सहयोग देने का आश्वासन दिया है। अब गोशालाओं को केवल संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण उद्योग, पंचगव्य उत्पाद निर्माण और बायोगैस उत्पादन के आधुनिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए बाबा रामदेव जल्द ही उत्तर प्रदेश आएंगे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर रोडमैप को अंतिम रूप देंगे।

गोशाला विकास और मॉडल प्रोजेक्ट

गो सेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश के 75 जिलों में 2 से 10 गोशालाओं को चयनित कर उन्हें बड़े मॉडल गोशालाओं के रूप में विकसित किया जाएगा। गो अभयारण्यों में खुले शेड, बाड़ और सुरक्षा व्यवस्था विकसित कर गोवंश की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर उत्पादन से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा और 50% कमीशन मॉडल के माध्यम से गोमूत्र संग्रह व उत्पाद बिक्री में ग्रामीणों की सीधी भागीदारी होगी।

तकनीकी सहयोग और प्रशिक्षण

पतंजलि योगपीठ प्रशिक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण, फामुर्लेशन, प्रमाणन और लाइसेंसिंग में सहयोग देगा। इसके अलावा, गोशालाओं में जियो-फेंसिंग, गाय टैगिंग, फोटो मैपिंग और चारा इन्वेंटरी ट्रैकिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीक लागू की जाएगी। इसके अलावा नीम, गोमूत्र और वर्मी कम्पोस्ट जैसे प्राकृतिक इनपुट गांव-गांव तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया है। इससे किसानों की लागत घटेगी, मिट्टी की उर्वरता बढ़ेगी और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी।

जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह ने किया ध्वजारोहण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग कार्यालय, कलेक्ट्रेट परिसर गाजियाबाद में 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान गाया गया। इस दौरान जिला सूचना अधिकारी ने कहा कि में देश के प्रति अपनी नैतिक एवं वैधानिक जिम्मेदारियों का पूर्ण ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ पालन करना चाहिए। हमें स्वदेशी उत्पाद का ही इस्तेमाल करना चाहिए एवं इसके लिए अन्य देशवासियों को भी प्रेरित करना चाहिए। हमें स्वदेशी उत्पादों के प्रति जनता में जागरूकता लाते हुए उन्हें बताना है कि यदि हम अपने दैनिक जीवन में नियमित स्वदेशी उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं तो वह दिन दूर नहीं जब हमारा भारत देश पूर्णतः आत्मनिर्भर बन जायेगा और हम एक सशक्त विकसित देश के नागरिक कहलायेंगे। हमें स्वस्थ रहते हुए स्वच्छता का उजियारा सम्पूर्ण जगत में फैलाने है। इसलिए हम सभी शपथ लेते हैं कि हम अपने देश को स्वस्थ, स्वच्छ, समृद्ध और विकसित देश बनाने में अपनी अहम भूमिका निभायेंगे।

कमिश्नरेट गाजियाबाद में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 79वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

पुलिस आयुक्त गाजियाबाद द्वारा पुलिस लाइन्स एवं कैम्प कार्यालय में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रध्वज को सलामी दी गई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर कमिश्नरेट गाजियाबाद में स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्ण गरिमा, हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया।मुख्य कार्यक्रम पुलिस लाइन्स गाजियाबाद में आयोजित किया गया जहां पुलिस आयुक्त गाजियाबाद द्वारा ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रध्वज को सलामी दी गयी एवं समस्त पुलिसकर्मियों को राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई गई। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय द्वारा पुलिस कार्यालय पर ध्वजारोहण किया गया।

समस्त राजपत्रित अधिकारीगणों एवं थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने कार्यालयों एवं थानों पर ध्वजारोहण कर मिष्ठान वितरण किया गया। पुलिस लाइन्स में ध्वजारोहण के पश्चात शौर्य एवं सराहनीय कार्यों के लिए पदक व प्रशंसा चिह्न प्राप्त करने वाले सम्बन्धित पुलिसकर्मियों को पुलिस आयुक्त गाजियाबाद द्वारा पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। पुलिस आयुक्त गाजियाबाद द्वारा सभी को स्वतंत्रता दिवस बधाई दी गई।

इस अवसर पर उन्होंने सभी पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठा, अनुशासन एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस का कार्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि समाज में सुरक्षा, विश्वास और न्याय की भावना को सशक्त बनाना भी है। पुलिस आयुक्त गाजियाबाद द्वारा सभी पुलिसकर्मियों से ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया गया।

इलाज के लिए सुविधा और पैसे की कोई कमी नहीं : सीएम योगी

एक वर्ष में मुख्यमंत्री राहत कोष से इलाज के लिए दी गई 1100 करोड़ रुपये की मदद

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गोरखपुर में उच्च स्तरीय इलाज के लिए अब न तो स्पेशलिटी सुविधाओं की कमी है और न ही पैसे की। यहां सुपर स्पेशलिटी सुविधाएं हैं और आम नागरिक को उसका लाभ दिलाने की प्रधानमंत्री-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (आयुष्मान) भी है। यदि किसी के इलाज में आयुष्मान योजना की राशि कम पड़ेगी तो मुख्यमंत्री राहत कोष और जनप्रतिनिधियों की निधि से उसकी भरपूर मदद की जाएगी।

सीएम योगी रविवार को रीजेंसी हॉस्पिटल के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने हॉस्पिटल का निरीक्षण कर सुविधाओं का जायजा लिया और हॉस्पिटल के पेशेंट एप ह्वारीजेंसी माई केयरह्न को भी लांच किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले महंगी स्वास्थ्य सुविधाएं गरीब के लिए दुर्लभ थीं, पर आज सहज उपलब्ध होने लगी हैं। यूपी सरकार ने साढ़े पांच करोड़ लोगों को आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख रुपये तक का निशुल्क उपचार उपलब्ध कराया है। इसके आलावा जिन लोगों के पास आयुष्मान योजना या मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ नहीं है, उनके लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से है।

विधायकों को भी उनकी निधि से पचीस लाख तक की सहायता इलाज के लिए देने का अधिकार दिया गया है। सीएम योगी ने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से भी पिछले एक वर्ष में 1100 करोड़ रुपये इलाज के लिए दिए गए हैं। पहले यह सुविधाएं नहीं थीं और अगर कुछ सुविधाएं मिलती भी थीं तो 'पिक एण्ड चूज' के माध्यम से चेहरा देखकर मिलती थीं।

सरकार का लक्ष्य हो कि जनता को बिना भेदभाव के सभी सुविधाएं प्राप्त हों। उन्होंने कहा कि इलाज हेतु प्रधानमंत्री राहत कोष से भी पैसा मिलता है। आज हर एक स्तर पर यह सुविधा मिल रही है। पिछले 11 वर्ष में विकासपरक परिवर्तन के फलस्वरूप व्यक्ति की आर्थिक क्षमता भी बढ़ी है। व्यक्ति पैसा खर्च कर सकता है बस उसको सुविधाओं की आवश्यकता रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए। हमें इस क्षेत्र में अच्छे मॉडल देने पड़ेंगे।

यह मॉडल गोरखपुर में आज से 22-23 वर्ष पूर्व गुरु गोरखनाथ चिकित्सालय द्वारा चलाये गये मॉडल की तरह हो सकता है। उस समय गोरखपुर में आईसीयू तथा डायलिसिस की सुविधा नहीं थी, तब इस अस्पताल ने आईसीयू तथा डायलिसिस की सुविधा का लाभ गोरखपुर को उपलब्ध कराया था। अस्पताल ने ब्लड बैंक की स्थापना को आगे बढ़ाकर ब्लड सेप्रेटर यूनिट व ब्लड एप्रेसिस यूनिट की भी व्यवस्था की थी। उस समय इस अस्पताल ने व्यक्ति की जरूरत व आर्थिक स्थिति के अनुसार स्वास्थ्य सुविधा देने का मॉडल दिया था। अब इस मॉडल को अपग्रेडेड मॉडल के रूप में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल का शुरू होना बड़ी उपलब्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि ढाई सौ बीएड का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त मल्टी सुपर स्पेशलिटी का शुरू होना गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। एक ही छत के नीचे यहां सारी सुविधाएं मिलेंगी। इसका लाभ पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमोत्तर बिहार और नेपाल के लोगों को भी मिलेगा। यहां 80 बेडेड आईसीयू की भी सुविधा है। उन्होंने कहा कि की कानपुर में रीजेंसी हॉस्पिटल चिकित्सा सेवा के बैक बोन के रूप में है और यूपी में इसकी श्रृंखला शुरू हो रही है। इस हॉस्पिटल को गोरखपुर में स्थापित कराने के लिए सीएम योगी ने इसके साझीदार तनमय मोदी की मुक्त कंठ से सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल उपचार का माध्यम है लेकिन यदि उपचार में सावधानी और सतर्कता नहीं बरती गई तो वह इंफेक्शन का भी माध्यम बन जाता है। इस अस्पताल में इन सभी सुविधाओं का ध्यान रखा गया है। यह अस्पताल इस क्षेत्र के पांच करोड़ आबादी के लिए एक बेहतरीन स्वास्थ्य केंद्र बनेगा।

दस वर्ष पहले बेहद खराब थी पूर्वी यूपी में स्वास्थ्य सुविधाओं की हालत

सीएम योगी ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में आज से दस वर्ष पहले स्वास्थ्य सुविधाओं की हालत बहुत खराब थी। सरकार उदासीन थी, जनता जैसे-तैसे अपना जीवनयापन करती थी। जनता को उत्तम स्वास्थ्य की सुविधा देने की प्रतिबद्धता के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब कार्य शुरू किया तो देश में स्वास्थ्य सुविधाओं में बेहतरीन वृद्धि देखने को मिली। आज से दस वर्ष पूर्व, पूर्वी यूपी में बीआरडी मेडिकल कॉलेज ही एक मात्र बड़ा स्वास्थ्य केंद्र था, जो खुद ही बीमार था। शासन की प्रतिबद्धता से आज बीआरडी मेडिकल कॉलेज में बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं। गोरखपुर में एम्स भी संचालित हो गया है, दर्जनों अन्य अस्पताल भी खुल गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पूर्वी यूपी में गोरखपुर में ही मेडिकल कॉलेज था। आज बस्ती, सिद्धार्थनगर, महराजगंज, कुशीनगर, देवरिया, अयोध्या, जौनपुर, बहराइच, बलरामपुर, गोंडा, प्रतापगढ़, आजमगढ़, अम्बेडकरनगर, चंदौली, मिजार्पुर आदि जिलो में भी मेडिकल कॉलेज हैं। बलिया में भी सरकार मेडिकल कॉलेज खोलने जा रही है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में स्वास्थ्य केंद्रों की एक लंबी श्रृंखला है, पहले इसका अभाव था। अब पूर्वी यूपी के जनपद गोरखपुर व जनपद रायबरेली में एम्स भी संचालित है। वाराणसी में टाटा कैंसर अस्पताल के सहयोग के साथ कैंसर के उपचार हेतु बीएचयू में एक बेहतरीन सेंटर का भी निर्माण किया गया है।

अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद परिवार कल्याण महा परिषद की कौर कमेटी की तीन दिवसीय बैठक होगी

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

रुड़की। अखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद परिवार कल्याण महा परिषद की कौर कमेटी की तीन दिवसीय बैठक नई दिल्ली में 29 से 31 अगस्त तक होने जा रही है। नईदिल्ली की बैठक के दौरान निर्धारित तिथि की अवधि में, देश के राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय विधि मंत्री एवं दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता से महा परिषद के शिष्य मंडल से वातालर्प हेतु पत्र दिया गया है, वही प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय स्तर पर प्रेस कांफ्रेंस आयोजित भी किया जा रहा है।

कौर कमेटी बैठक में दिल्ली के विशिष्ट व्यक्तियों को एक खुला सत्र भी आयोजित होगा, जिसमे में भाग लेने के लिए उन विशिष्ट व्यक्तियों जिनका संबंध सामाजिक स्तर से, राजनीतिक स्तर से न्यायपालिका के स्तर से एवं कारपोरेट सेक्टर के स्तर से है, को आमंत्रित किया गया है।

इस बैठक में देशभर के दो करोड़ स्वतंत्रता सेनानी परिवारों को राष्ट्रीय परिवार घोषित कर उनके जीवन में आर्थिक सुधार के लिए कार्य योजना तैयार कर उस पर अम्ल करने की अपील केन्द्र सरकार से की जाएगी। महापरिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीगोपाल नारसन ने बताया कि देश में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और बलिदान को कम करके आंके जाने से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास ही धूमिल हो जाने की आशंका उत्पन्न हो गई है। जिस कारण आजादी के इतिहास को संजोने की आवश्यकता है।

उन्होंने बताया कि महापरिषद अध्यक्ष स्वतंत्रता सेनानी प्रहलाद प्रजापति के नेतृत्व में देश के विभिन्न राज्यो में रह रहे संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय समन्वयक हरिराम गुप्ता, राष्ट्रीय महासचिव कुमार पटेल, उपाध्यक्ष अवधेश पंत, अजय सेतिया, इंदिरा मिश्रा, आशा लाल आदि संगठन पदाधिकारी लक्षित 9 सूत्री प्राथमिकता को पूरा करने के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों से अपना एजेंडा साझा कर उनसे सहयोग मांग रहे है, ताकि देश को आजादी दिलाने वाले शहीदों व स्वतंत्रता सेनानियों के सपनो का भारत बन सके, साथ ही महात्मा गांधी के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने व आजादी अक्षुण बनी रहे इसके लिए सतत सजग रहने के संकल्प के साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर मार्च माह तक दिल्ली में एक बड़ा सम्मेलन आयोजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

आज के युग में कंप्यूटर के बिना मानव जीवन अधूरा है : ईश्वर सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। 15 अगस्त 2025 को पटेल नगर स्थित कंप्यूटर संस्थान कम्प्यूटर वेब जिसकी शुरूआत सन 12 अगस्त 2000 सन 2000 को हुई थी। इस संस्थान के 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर जान की भवन कवि नगर रामलीला मैदान में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के नाते डिप्टी डायरेक्टर ईश्वर सिंह कौशल विकास मंत्रालय भारत सरकार अध्यक्ष के नाते डोमेश्वर साहू क्षेत्र संगठन मंत्री विद्या मां भारती पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र एवं विशिष्ट अतिथि के नाते पीके तिवारी कमांडेंट एनडीआरफ बटालियन 8' का रहना हुआ या शिरकत की इस अवसर पर आए हुए सभी अतिथियों ने छात्रों को उत्साह वर्धन किया और संस्थान के उज्जवल भविष्य की कामना की। श्री सिंह ने बताया कि आज के युग में कंप्यूटर के बिना मानव जीवन अधूरा है।

उन्होंने बताया की अगर जीवन में पूर्ण सफलता पानी है तो कौशल विकास बहुत महत्वपूर्ण है इस अवसर पर संस्थान के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजवीर सिंह ने संस्था के इतिहास पर प्रकाश डाला क्या बताया संस्था के डायरेक्टर अतुलित्री ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों का धन्यवाद दिया मंच का संचालन पांच प्रजापति जी के द्वारा और इस अवसर पर निशु श्वेता राहुल त्यागी नेहा ज्योति प्रिया दुर्गा शंकर आदि लोगों ने उपस्थित रहे।

उत्तराखंड कैबिनेट का बड़ा फैसला : अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थानों के लिए नया अधिनियम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आज राज्य सचिवालय में आयोजित उत्तराखंड कैबिनेट की बैठक में एक ऐतिहासिक विधेयक को मंजूरी दी गई है। यह विधेयक आगामी 19 अगस्त से भराड़ीसैंण विधानसभा में शुरू हो रहे मानसून सत्र में पेश किया जाएगा। इस नए विधेयक का नाम उत्तराखंड अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान अधिनियम, 2025 है।

यह विधेयक देश में अपनी तरह का पहला ऐसा कानून होगा, जो न सिर्फ अल्पसंख्यक समुदायों के शैक्षिक संस्थानों को मान्यता देने के लिए एक पारदर्शी प्रक्रिया स्थापित करेगा, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और उत्कृष्टता को भी सुनिश्चित करेगा।

अभी तक उत्तराखंड में अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान का दर्जा मुख्य रूप से केवल मुस्लिम समुदाय को मिलता था। हालांकि, प्रस्तावित विधेयक के अंतर्गत अब सिख, जैन, ईसाई, बौद्ध और पारसी समुदायों को भी यह सुविधा मिलेगी। इससे इन समुदायों द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थानों को भी समान रूप से मान्यता मिल सकेगी।

अधिनियम की मुख्य विशेषताएं

प्राधिकरण का गठन: विधेयक के तहत उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया जाएगा, जो अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थानों को मान्यता प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होगा।

अनिवार्य मान्यता: मुस्लिम, सिख, जैन, ईसाई, बौद्ध या पारसी समुदाय द्वारा स्थापित किसी भी संस्थान को अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा पाने के लिए प्राधिकरण से मान्यता लेना अनिवार्य होगा।

अधिकारों की सुरक्षा: यह अधिनियम अल्पसंख्यक संस्थानों के संचालन में हस्तक्षेप नहीं करेगा, बल्कि यह सुनिश्चित करेगा कि शिक्षा का स्तर उच्च बना रहे।

शर्तें: मान्यता प्राप्त करने के लिए संस्थान का सोसाइटी एक्ट, ट्रस्ट एक्ट या कंपनी एक्ट के तहत पंजीकृत होना जरूरी होगा। साथ ही, भूमि, बैंक खाते और अन्य संपत्ति संस्थान के नाम पर होनी चाहिए। वित्तीय गड़बड़ी या सामाजिक सद्भाव के विरुद्ध गतिविधियों में संलिप्तता पाए जाने पर मान्यता रद्द की जा सकती है।

निगरानी: प्राधिकरण उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के मूल्यांकन की निगरानी करेगा।

इस अधिनियम से राज्य के अल्पसंख्यक समुदायों के शैक्षिक संस्थानों को अब एक पारदर्शी प्रक्रिया के तहत मान्यता मिल सकेगी, जिससे उनके संवैधानिक अधिकारों की भी सुरक्षा सुनिश्चित होगी। साथ ही, राज्य सरकार के पास इन संस्थानों के संचालन की निगरानी करने की शक्ति होगी, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रबंधन और गुणवत्ता को बढ़ावा मिलेगा।

इसके अलावा वउउ के तहत होने वाले रजिस्ट्रेशन के टाइम को बढ़ा दिया गया है कैबिनेट ने आज यूसीसी के तहत होने वाले रजिस्ट्रेशन खासतौर से शादी रजिस्ट्रेशन की समय सीमा को बढ़ा दिया है। जिस तरह से अब यूसीसी के नियम के तहत जनवरी 2026 तक रजिस्ट्रेशन लोग कर सकते हैं।

उस पर कैबिनेट ने अपनी मुहर लगाई है साथ ही उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा कल्याण बोर्ड के गठन के प्रस्ताव पर सहमति दी गई है आज की कैबिनेट की बैठक में यह फैसला किया गया कि अगर उत्तराखंड में ईसाई या अन्य अल्पसंख्यक अपनी शिक्षण संस्थान (स्कूल) खोलते हैं तो उसके लिए अब बोर्ड से रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा।यानी एजुकेशन अथॉरिटी का गठन किया जा रहा है।

19 अगस्त से शुरू हो रहे विधानसभा के सत्र में आने वाले कई प्रस्ताव को लेकर भी कैबिनेट में चर्चा की गई है।

जिसमें=विधेयक भी शामिल है इसी तरह से आज की कैबिनेट की बैठक में सेवा नियमावली से संबंधित प्रस्ताव पर मुहर लगी है। आज की कैबिनेट की बैठक में मुहर लगाई है। वही वउउ के रजिस्ट्रेशन की अवधि बढ़ाने को लेकर भी फैसला लिया गया है। इसके साथ ही कई विधेयक को भी कैबिनेट ने मंजूरी दी है जो विधानसभा सत्र के दौरान पटल पर रखे जाने हैं।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत साइकिल तिरंगा रैली का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। शासन के आदेशों के अनुक्रम में स्थानीय डॉ के एन मोदी साईस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर एवं नगर पालिका परिषद मोदीनगर के संयुक्त तत्वावधान में शासन के आदेशों के अनुक्रम में कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चंद अग्रवाल एवं अध्यक्ष ,नगर पालिका परिषद विनोद वैशाली के निर्देशन में आजादी का अमृत मनाने के क्रम मे हर घर तिरंगा अभियान -2025 के अंतर्गत कॉलेज के एन सी सी कैडेटस के द्वारा मोदीनगर शहर में हर३ घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत लैफ्टिनेंट राजीव कुमार एवं कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर के नेतृत्व में तिरंगा रैली निकाली।

रैली विद्यालय से चलकर राष्ट्रीय राजमार्ग होते हुए बस स्टैंड ,तरंग रोड, गुरुद्वारा रोड,एन सी सी वाहिनी होते हुए राज चोपला स्थित शहीद स्थल पर सम्पन्न हुई। रैली के दौरान सभी कैडिट हाथों में तिरंगा लिए हुए शहर के लोगों को आजादी की 79 वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाने के क्रम में पर अपने घरों, प्रतिष्ठानों,सार्वजनिक जगहों,शैक्षिक संस्थानों पर तिरंगा लगाकर देश के प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र प्रेम की भावना को जाग्रत कर स्वतंत्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करने हेतु प्रेरित करते नजर आए.रैली के दौरान विद्यालय के एन सी सी कैडिट 'घर घर में तिरंगा फहरायेंगे, देश भक्ति के गीत गाएँगे, देश प्रेम की अलख जगाएंगे, आजादी का अमृत महोत्सव मनाएंगे।' 'हम सब ने ठाना है मोदीनगर को तिरंगामय बनाना है' 'हर घर तिरंगा फहराएंगे हिंदुस्तान को विश्वगुरु बनाएंगे' आदि स्लोगनस के माध्यम से लोगों को देश भक्ति के प्रति जागरूक करते नजर आए।

कॉलेज के प्रधानाचार्य डा सतीश चंद अग्रवाल ने सभी कैडेट को तिरंगा अभियान में बढ़चढ़ कर सक्रिय हिस्सा लेने तथा प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत कराते हुए स्वतंत्रता के प्रतीकों के प्रति सम्मान भाव रखने के लिए प्रेरित किया। चेयरमैन नगर पालिका परिषद मोदीनगर विनोद वैशाली ने रैली के उपरांत अपने संबोधन में सभी एन सी सी कैडेट एवं उपस्थित जनों को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए तिरंगा अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। कॉलेज के एनसीसी अधिकारी प्रवीण जैनर ने सभी कैडेट्स से, आजादी की जंग में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर देश को आजादी दिलाने वाले और देश की एकता और अखण्डता को अक्षुण्ण बनाए रखने वाले सभी वीरों और बलिदानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए अपने घरो पर तिरंगा लहराकर सभी वीरों को नमन करने का आह्वान किया।इस दौरान नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद वैशाली ने सभी कैडेट्स को अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर तिरंगा रैली प्रतिभागिता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया।तिरंगा रैली को सफल बनाने में विशेष रूप से सफाई एवं खाद्य निरीक्षक अम्बरीश कुमार, दिनेश कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अरविंद कुमार,ए बी एम कोर्डिनेटर शिवानी कुंडू के अतिरिक्त आशीष वत्स दीपांशु सैनी, हिमांशु शर्मा, मोनिश हसन, विपिन कुमार, विजय बर्मन, समीर,एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर, लै राजीव जांगिड़, गौरव त्यागी आदि की भूमिका सराहनीय रही ।

मोदीनगर क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को लेकर उप जिला अधिकारी अजीत कुमार से वार्ता हुई

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर।राष्ट्रीय लोकदल के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रोफेशनल मंच एडवोकेट अरुण दहिया के साथ प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी मोदीनगर को क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं से संबंधित वार्ता की। मुख्य रूप से 6 बिंदु शामिल थे। क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाई जाए-अपराध नियंत्रण एवं जनसुरक्षा को देखते हुए पुलिस की रात्रि गश्त को बढ़ाने की मांग की गई।किसानों का गन्ना मूल्य भुगतान-आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए किसानों का बकाया गन्ना मूल्य तुरंत दिलाए जाने की आवश्यकता जताई गई। तहसील परिसर में मूलभूत सुविधाएं-अधिवक्ताओं, बैनामा लेखकों एवं वादकारियों के लिए महिला व पुरुषों के अलग-अलग शौचालय निर्माण, सड़क मरम्मत और लाइट व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की गई।नालों की सफाई-मोदीनगर के छोटे-बड़े सभी नालों की तत्काल सफाई कराए जाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।संक्रमण रोकथाम के उपाय शहरी क्षेत्रों में बारिश से हुए जलभराव के कारण संक्रमण न फैले, इसके लिए दवा छिड़काव तुरंत कराने की मांग की गई। कस्बा रोड पर-पैठ बाजार और पटरी-ठेले वालों को सुव्यवस्थित स्थान उपलब्ध कराकर कस्बा रोड से अतिक्रमण हटाने का सुझाव दिया गया। वार्ता के दौरान पूर्व अध्यक्ष बार एसोसिएशन तहसील मोदीनगर एडवोकेट राजकुमार गुप्ता, अध्यक्ष बैनामा लेखक संघ तहसील मोदीनगर कपिल चौधरी, सचिव बैनामा लेखक संघ कुलदीप त्यागी, पूर्व प्रमुख कृष्णपाल चेम्पियन, क्षेत्रीय महासचिव प्रोफेशनल मंच नरेश, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रोफेशनल मंच एडवोकेट यतीन्द्र चौधरी, वरुण दहिया, तरुण चौधरी, सतेंदर कुमार आदि मौजूद रहे।

तिरंगा रैली अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में कॉलेज के प्रधानाचार्य डा सतीश चंद अग्रवाल के निर्देशन में आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के अनुक्रम में ह्य हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के हजारो छात्रों एवं एन सी सी कैडेट्स के द्वारा कॉलेज कैंपस मे देश की आन बान और शान तिरंगा लहरा कर कैडेट एवं छात्रों के साथ साथ सभी में राष्ट्र भक्ति की भावना जाग्रत की जा रही है।ह्वतिरंगा रैली अभियान कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने कहा कि उक्त कार्यक्रम देश के अमर शहीदों की स्मृति में जगह जगह पर आयोजित किये जा रहे हैं जिनके माध्यम से लोगों को राष्ट्र के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करने एवं उन्हें अपने अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक कराते हुए राष्ट्र के विकास में योगदान देने हेतु प्रेरित करने का काम किया जा रहा है।कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ सतीश चन्द अग्रवाल ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से लोगों को एक सूत्र में पिरोने एवं राष्ट्र को मजबूत और स्वावलंबी राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से सभी को साथ लेकर राष्ट्र निर्माण के लिए आह्वान करने का कार्य किया जा रहा है। विद्यालय की जीवविज्ञान प्रवक्ता डॉ नीतू ने राष्ट्र भक्ति गीत प्रस्तुत किए ।इस दौरान राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के नगर बौद्धिक शिक्षण प्रमुख मनोज भारद्वाज ने राष्ट्र को अखंड रखने के उद्देश्य से अखंड भारत संकल्प दिवस की शपथ दिलायी। इस अवसर पर धर्म जागरण नगर संयोजक रवि गोयल, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सेवा प्रमुख मुकेश कुमार आदि का विशेष सहयोग रहा।कार्यक्रम को सफल बनाने में कॉलेज के वरिष्ठतम प्रवक्ता टी पी सिंह,आर के सिंह ,डॉ नीतू , रवींद्र शर्मा ,राजीव सिंह, संजीव चौधरी,डॉ० संजय कुमार, राजीव कुमार, राजेश सिंह,रामरत्न वर्मा ,डॉ० पूनम वशिष्ठ, रोमा देवी ,अनीता अग्रवाल, अजय कुमार, सुशील, राजगोपाल कसाना, सतीष बाबू ,कैडिट पुस्कर, श्याम, कुनाल, यस बैसोया, शिवांशु यादव, आयुष, सन्दीप निकुंज आदि का विशेष सहयोग रहा।

श्री कृष्ण कथा, गीता ज्ञान-यज्ञ समारोह का आयोजन

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व श्रावणी पर्व पर आर्य समाज गोविन्दपुरी में रात्रि 07 से 9:30 तक श्रीकृष्ण कथा व गीता ज्ञान यज्ञ का आयोजन 11 अगस्त से 17 अगस्त तक हो रहा है।

श्री वैदिक योगाश्रम आनंदधाम आश्रम हरिद्वार के अध्यक्ष गीता मनीषी आचार्य अखिलेश्वर भारद्वाज कथा व्यास व संगीताचार्य देव आर्य के द्वारा ज्ञान वर्षा हो रही है। आज दूसरे दिन कथा व्यास जी ने कहा- कि गांधारी का ऑखों पर बांध लेना प्रतीकात्मक है। गांधारी शास्त्रों का ज्ञान रखने वाली विदुषी महिला थी। वे शिव की तपस्विनी भी थी। वे न्याय प्रिय भी थीं। इसलिए उन्हें अपने पुत्रों की दुष्ट उच्छृंखलतायें बहुत दुखी करती थीं। वे उन्हें रोकने का प्रयास करती थीं वे महाराज धृतराष्ट्र से इसकी शिकायत भी करती थी लेकिन धृतराष्ट्र उनकी नहीं सुनते थे। इसलिए उन्होंने गलत होता देखते हुए भी दुखी मन से अनदेखा करना आरंभ कर दिया । इसी अनदेखा पन को ऑखों पर पट्टी बांधने के प्रतीक के रूप में चर्चित हुआ ।इसी प्रकार रावण को दशों दिशाओं का ज्ञान था। वह दस विद्वानों के बराबर ज्ञानी था इसलिए उसे प्रतीक के रूप में दशानन कहा गया।लेकिन एक चित्रकार उसके इस व्यक्तिव को कैसे चित्रित करता अतः उसने उसे दस मुख वाला चित्रित किया। अगर चिन्तन करें कि अगर रावण के दस सिर होते तो वह कैसे लेटता कैसे करवट लेता कैसे सो पाता। अत कुछ प्रतीकात्मक धारणाओं को हम अज्ञानता वश सही मान लेते हैं। जैसे किसी वीर पुरुष को शेर कह दिया जाता है। यहॉ उस पुरुष में शेर का लक्षण है। यह भाषा की लक्षणा शब्द शक्ति है।इसका अर्थ ये कदापि नहीं है कि वह पुरुष शेर की तरह पंजे या शेर के जबड़े वाला बड़े-बड़े दांत वाला है। अत ज्ञानी पुरुष को इस प्रतीकात्मक जन-भाषा का उपहास उड़ाने या पाखंड समझने की बजाय इसे अपने विवेक से सोचना चाहिए। जैसे एक छोटे से बीज में वट वृक्ष छिपा रहता है उसी प्रकार एक उच्च पद पर बैठे व्यक्ति के मन में ईर्ष्या, महत्वाकांक्षा, भ्रष्टाचार, तुच्छ सोच जैसे मन विकास हों तो यही नाश का कारण बनते है।

विद्यार्थियों को कीड़े मारने की गोली खिलाई गई

मोदीनगर। राष्ट्रीय कृमि नाशक दिवस के अवसर पर आदर्श जनता इंटर कॉलेज फरीदनगर में विद्यार्थियों को कीड़े मारने की गोली खिलाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह तोमर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भोजपुर के प्रभारी डॉक्टर रवि शर्मा के द्वारा बच्चों को गोलियां खिलाकर किया गया। विद्यालय के मीडिया प्रभारी प्रेम चौधरी ने बताया कि इस अवसर पर विद्यालय की हेल्थ एंबेसडर टीम, रेड क्रॉस टीम एवं डॉक्टरों की टीम में डॉक्टर सुशांत सिंह, डॉक्टर रामोद यादव, डॉक्टर नसरीन एवं एएनएम पूजा उपाध्याय शामिल रहे।

क्लब इंस्टॉलेशन का प्रोग्राम संपन्न हुआ

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मोदीनगर। इनर व्हील क्लब मोदीनगर स्मार्ट द्वारा स्पाइस गार्डन स्थित रेस्टोरेंट में क्लब इंस्टॉलेशन का प्रोग्राम संपन्न हुआ । कार्यक्रम का संचालन चार्टर प्रेसिडेंट रेनू मित्तल द्वारा किया गया अतिथि डॉक्टर कविता शर्मा व टीम द्वारा दीप प्राजूलन कर कार्यक्रम को विधिव्त प्रारंभ किया गया प्रेसिडेंट नीता माहेश्वरी को सेक्रेटरी रेनू गुप्ता ने कॉलर पहनाया।इसके उपरांत वाइसप्रेसिडेंट, पारुल गोयल सेक्रेटरी, ट्रेजर राधिका महेश्वरी, पारुल मोदी एवं एडिटर प्रमिला को पिन लगाया गया अतिथि द्वारा क्लब क्वीन को ताज पहन कर सम्मानित किया जिसमें कोमल प्रथम व मोना अग्रवाल रन अप रही आज ही तिरंगा डिश और कान्हा झूला की सजावट का कंपटीशन भी रखा ।तिरंगा डिश में श्रीमती शिखा तायल प्रथम एवं राधिका माहेश्वरी द्वितीय रही। दर्शन नौटियाल मुदिता रुचि त्यागी आदि द्वारा सुंदर नृत्य प्रस्तुति दी गई। कान्हा झूला में शिखा तायल प्रथम एवं रितु अग्रवाल द्वितीय रही। विजेताओं को ट्रॉफी दी गई सभी सदस्यों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में रूपाली श्वेता रुचि गुप्ता मीनू गोयल अनुराधा ज्योति सुरभि मानसी सुचेता अर्चना अनु संजना मोनिका आदि का सहयोग रहा।